RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः37 , शनिवार, 21 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

देवरहा बाबा गुरुकुल आश्रम में सद्गुरु महायज्ञ एवं श्री राम कथा के दूसरे दिवस श्रद्धा और ... 03

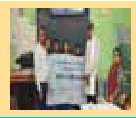
जिहुली उच्च विद्यालय में छात्राओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित 04

स्वंभू में निखिल के किरदार की ताकत है सुंदरावली: नाभा नतेश 07

संक्षिप्त समाचार

भारत आएंगे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान

- यूनुस राज खत्म होते ही सुधरने लगे संबंध,अहम होगा दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का शासन खत्म होने ही भारत बांग्लादेश के रिश्ते पटरी पर लौटने लगे हैं। इसकी शुरुआत बांग्लादेश के विदेश मंत्री की भारत यात्रा से हो सकती है। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले महीने भारतीय राजधानी की एक संक्षिप्त यात्रा पर आ सकते हैं। यह इसीलिए अहम है क्योंकि ढाका में तारिक रहमान की सरकार बनने के बाद बांग्लादेशी विदेश मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा होगी। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है जब दोनों ही देश संबंधों में आए भारी तनाव के बाद रिश्तों को दोबारा मजबूत बनाने की कोशिशें कर रही हैं। सूत्रों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि रहमान 8 अप्रैल को मॉरीशस में होने वाले हिंद महासागर सम्मेलन में जाते समय नई दिल्ली में रुक सकते हैं।

एयर इंडिया ने कनाडा के लिए भेजा 'गलत' बोइंग बी 777

- नौ घंटे हवा में तैरते रहने के बाद चीन से लौटा वापस भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के एक विमान को वैंकूवर पहुंचने से पहले ही लगभग नौ घंटे की उड़ान के बाद दिल्ली लौटना पड़ा। अगर आप सोच रहे हैं कि उसे ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से लौटना पड़ा तो आप गलत हैं। वह पूर्वी रास्ते से जा रहा था, न कि खाड़ी युद्ध क्षेत्र वाले। उसके लौटने का कारण थोड़ा अजीब है। जिस प्लेन को कनाडा में एंट्री की मंजूरी नहीं थी, एयर इंडिया ने उस विमान को रवाना किया था। विमान यात्रियों को लेकर उड़ा, लेकिन कनाडा पहुंचने से पहले ही उसे वापस लौटना पड़ा। दरअसल, एयर इंडिया के पास कनाडा के लिए अपने बोइंग 777-300 एक्सटेंडेड रेंज बेड़े को संचालित करने की मंजूरी है, न कि बी 777-200 लॉन्ग रेंज को। गुरुवार (19 मार्च) को जिस फ्लाइट ने दिल्ली से वैंकूवर के लिए उड़ान भरी वह एक बी 777 विमान (फ्लाइट संख्या एआई 185) थी। **कनाडा में बी 777-200 लॉन्ग रेंज को मंजूरी नहीं**- ये फ्लाइट यात्रियों से खचाखच भरी हुई थी, जिसके पास कनाडा में एंट्री की मंजूरी ही नहीं थी। विमान के 9 घंटे से अधिक की उड़ान भरने और कुनमिंग के पास चीनी हवाई क्षेत्र में पहुंचने पर ही एयरलाइन को अपनी इस बहुत बड़ी गलती का अहसास हुआ। इसके बाद एयरलाइन ने विमान को वापस दिल्ली बुला लिया। फ्लाइट ट्रैकिंग साइटों के अनुसार, ये विमान यह गुरुवार शाम 7.19 बजे उतरा।

सरकार ने 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक किए

- इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ

और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर गेम्स), पी-टू-पी बेटिंग एक्सचेंज, सट्टा/मटका नेटवर्क और रियल मनी कार्ड ऐप्स शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई में तेजी आई है।

संत प्रेमानंद से मिलीं राष्ट्रपति, हाथ जोड़कर किया प्रणाम

- संत ने राधे-राधे कहा, परिवार के साथ मुर्मू वृंदावन पहुंचीं, 25 मिनट चर्चा की

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच परिवार के साथ प्रेमानंदजी के वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की भी बधाई दी। गुरुवार यानी 19 मार्च को उनका 56वां जन्मदिन था। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3

दिन के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। फिर शाम को मथुरा पहुंचीं। प्रेमानंदजी से मुलाकात के बाद बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम पहुंचीं। राष्ट्रपति मुर्मू का मथुरा का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह पिछले साल 25 सितंबर को आई थीं। तब बांके बिहारी के दर्शन किए थे।

दरबार में पूरे परिवार के साथ पहुंची थीं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और दोनों नातिनें आद्याश्री और नित्याश्री मौजूद थीं। केलीकुंज आश्रम में राष्ट्रपति और उनके परिवार के लिए कुर्सियां लगाई गई थीं। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा के दौरान भाव-विभोर दिखीं। इस दौरान कुटिया में सिर्फ राष्ट्रपति, उनके परिजन और संत के करीबी शिष्य ही मौजूद रहे। संत प्रेमानंद से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति, रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल पहुंची। वहां पश्चिमी यूपी की सबसे आधुनिक कैंसर यूनिट 'नंदकिशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद रहीं।

तृतीय मां चंद्रघंटा

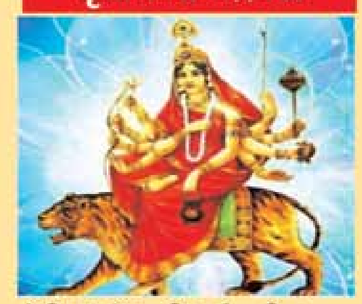

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है। 'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

देश में दो रुपए से ज्यादा महंगा हुआ 'पावर' पेट्रोल

- तेल की कीमतों पर ईरान युद्ध का दिखा पहला असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बाद बनी ईंधन संकट की स्थिति का पहली बार पेट्रोल की कीमतों पर असर पड़ा है। देश में प्रीमियम यानी पावर पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। जानकारी के मुताबिक, प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2.30 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल डीलरों ने इस बात की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल यह कीमतें सिर्फ पावर पेट्रोल की कीमतों पर लागू होंगी और रेगुलर पेट्रोल की कीमत नहीं बढ़ाई गई है। इस बढ़ोतरी का असर मुख्य रूप से उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो हाई-ऑक्टेन या प्रीमियम पेट्रोल का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि प्रीमियम पेट्रोल का इस्तेमाल आमतौर पर बेहतर इंजन परफॉर्मेंस और

ज़्यादा माइलेज के लिए किया जाता है। फिलहाल तेल कंपनियों की ओर से कीमतों में बढ़ोतरी का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। ईरान युद्ध के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

जरूरत का 88 प्रतिशत आयात करता है भारत

गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले और तेहरान की व्यापक जवाबी कार्रवाई के बाद तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं और पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। वहीं भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है और उसके लिए वैश्विक कीमतों में यह उछाल बड़ा व्यापक आर्थिक जोखिम उत्पन्न करता है। यह भारत के चालू खाते के घाटे को भी बढ़ाता है, रुपये पर दबाव डालता है और घरों व व्यवसायों के लिए ईंधन लागत बढ़ाता है। तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी आपूर्ति में बाधा का प्रमुख कारण यह है कि युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। युद्ध से पहले आम तौर पर हर दिन करीब 1.5 करोड़ बैरल कच्चा तेल और 50 लाख बैरल तेल उत्पाद होर्मुज से गुजरते थे।

युद्ध स्वार्थी हितों और वर्चस्व की चाहत का है नतीजा

- भागवत बोले-दुनिया के कई देशों को भरोसा-ईरान-इजराइल जंग भारत ही खत्म करा सकता है

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की चाहत है। स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म को मानने से ही हासिल की जा सकती है। भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- पिछले 2,000 साल से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई प्रयोग किए हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली है। संघ चीफ ने यह भी कहा कि भारत का स्वभाव ही ऐसा है जो सद्भाव में विश्वास रखता है।

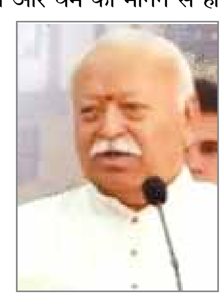

- **जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच की भावनाएं आज भी मौजूद**- धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच की भावनाएं आज भी मौजूद हैं। भारत का प्राचीन ज्ञान हमें सिखाता है कि सभी आपस में जुड़े हुए हैं और एक हैं। धर्म केवल शास्त्रों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोगों के व्यवहार में भी झलकना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए लगातार अभ्यास जरूरी है और इसमें अक्सर निजी परेशानियां भी आती हैं।

छत्तीसगढ़ में जबरन धर्मांतरण पर अब आजीवन कारावास

- विधेयक हो गया है पास, सदन में गूंजे 'जय श्रीराम' के नारे

रायपुर (एजेंसी)। विधानसभा ने राज्य में अवैध मतांतरण की चुनौतियों से निपटने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026 को गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके तहत अब बलपूर्वक, प्रलोभन या धोखाधड़ी से कराए जाने वाले सामूहिक मतांतरण के दोषियों को आजीवन कारावास तक की कठोर सजा भुगतनी होगी। इस नए कानून में विशेष रूप से महिलाओं, नाबालिगों, अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों के साथ होने वाले अवैध मतांतरण के मामलों में 20 वर्ष तक की कैद का सख्त प्रविधान किया गया है। साथ ही डिजिटल माध्यमों से दिए जाने वाले प्रलोभन को भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी | ...लेकिन हालात चिंताजनक

- *सरकार ने कहा-देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है लेकिन संकट बरकरार*
- *बताया-हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, 7500 कंज्यूमर पीएनजी पर शिफ्ट हुए*

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गईं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं।

- **कालाबाजारी रोकने के लिए 4500 छाप मारे**- पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए।

- **गल्फ क्षेत्र में 22 जहाज और 611 भारतीय सुरक्षित**- शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी समुद्री घटना की कोई रिपोर्ट नहीं है। पर्शियन गल्फ क्षेत्र में हमारे 22 जहाज और 611 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन पर लगातार नजर रखी जा रही है।

- **पीएम मोदी ने 5 देशों के नेताओं से की बात** - विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इस दौरान वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का पक्ष रखा। सभी नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में सुरक्षित आवाजाही के समर्थन की बात दोहराई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान से भी बात की और उन्हें व वहां के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं।

रूसी इनपुट पर एनआईए ने पकड़े थे अमेरिकी और यूक्रेनी नागरिक

- म्यांमार सीमा पर हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दी, ग्रुप में 14-15 लोग, अन्य की तलाश जारी

आईजोल (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्वोत्तर (मिजोरम सीमा) में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रूसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर अमेरिकी और यूक्रेनी नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

पकड़े गए लोगों पर भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने का आरोप है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गिरोह म्यांमार के हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दे रहे था। टूरिस्ट वीजा की आड़ में म्यांमार के विद्रोही गुटों को ड्रोन और आधुनिक

युद्ध तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही थी। ये लोग टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे, लेकिन मिजोरम में बिना अनुमति अवैध रूट से पहुंचे और यहां से पड़ोसी देश म्यांमार की सीमा में घुस गए। सूत्रों के अनुसार 8 अन्य यूक्रेनियन की तलाश जारी है। कुल 14-15 लोगों का ग्रुप था। ये लोग यूरोप से बड़े पैमाने पर ड्रोन पहुंचा रहे थे, जो संभवतः भारत से जुड़े उग्रवादी समूहों तक पहुंच सकते थे। आरोपी कई बार ट्रेनिंग देने आ चुके हैं। इस बार वे गुवाहाटी पहुंचे।

- **पूर्वोत्तर में ड्रोन वारफेयर का डर**- म्यांमार गृहयुद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। सूत्रों का मानना है कि ये ड्रोन अब भारत के उग्रवादियों तक पहुंच सकते हैं। इससे पूर्वोत्तर में ड्रोन अटैक का खतरा बढ़ेगा। यहां म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और जातीय संघर्ष के कारण पहले भी विदेशी मर्सिनरी या ट्रेनर्स के आने की खबरें आ चुकी हैं। मिजोरम-म्यांमार सीमा पर लंबे समय से अस्थिरता बनी है।

तमिलनाडु के सलेम में भयानक सड़क हादसा

- 2 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत, सभी एक ही परिवार के सदस्य

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु के सलेम में बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ है। सलेम के पास उथमासोलपुरम में हुई दुर्घटना में दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। ईरोड से सलेम जा रही एक तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की एक बस कथित तौर पर चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और विपरीत लेन में चली गई।

इसके बाद अनियंत्रित बस सूलाईमेडु के पास एक मिनी मालवाहक वाहन से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ ने बाद में गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। इससे मरने वालों की कुल संख्या 8 हो गई।

संक्षिप्त समाचार

आधे बिहार में आंधी-बारिश, बगहा-मोतिहारी में गिरे ओले, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर के लिए रेड अलर्ट

पटना। देश के साथ बिहार में भी मौसम बदला है। पटना, बेतिया, मोतिहारी, जमुई, औरंगाबाद, बगहा समेत आधे बिहार में आंधी-बारिश हो रही है। बगहा और मोतिहारी में ओले भी गिरे हैं। राज्य के कई इलाकों में बादल छाए हैं। धूल भरी आंधी चल रही है। औरंगाबाद में तेज आंधी की वजह से CM की सभा में लगे पोस्टर भी फटे हैं। मौसम विभाग ने दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। 8 बजे के बाद यहां भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 38 जिलों में आंधी-बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिसमें 10 जिलों में तेज बारिश के साथ ही 60KM/H की स्पीड से हवा चलने की संभावना है। वहीं, पटना सहित 28 जिलों में हल्की बारिश के साथ हवा चलने को लेकर यलो अलर्ट है। हल्की बारिश और बादल छाए रहने से पटना में आज 3 डिग्री तक तापमान गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे मुख्य कारण बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और एक सक्रिय ट्रफ लाइन है। इसके साथ ही दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आंधी के दौरान हवा की रफ्तार 40 से 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। इससे पेड़ों की टहनियां टूटने, होर्डिंग गिरने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

नशा तस्कर गिरफ्तार, स्मैक बरामद, गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली, पूछताछ कर नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

हाजीपुर। वैशाली जिले में बढ़ती अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में बरांटी थाना की पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक व्यक्ति को 18 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के द्वारा बताया गया कि बरांटी थाना क्षेत्र में गश्ती के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थों की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 18 ग्राम स्मैक बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सतीश राय, पुत्र चंदारिक राय, निवासी रंदाहा, थाना बरांटी, जिला वैशाली के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह इस स्मैक को कहां से लेकर आया था और इसका खरीदार कौन था। पुलिस अधीक्षक ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ इस अभियान को जारी रखने के निर्देश दिए हैं और आम जनता से भी अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कर्ज से परेशान महिला ने दी जान, फाइनेंस वालों पर तंग करने का आरोप, गुस्साए ग्रामीणों ने कर्मी को पीटा

हाजीपुर। वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र के राजखंड गांव में एक महिला ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कथित उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि महिला को कर्ज की किस्त चुकाने के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने फाइनेंस कंपनी के एक कर्मचारी को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। मृतका की पहचान 30 वर्षीय दुर्गा देवी के रूप में हुई है, जो पवन महतो की पत्नी थीं। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और दो बेटे शामिल हैं। दुर्गा देवी ने कैशपा माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस बैंक से एक लाख रुपये का कर्ज लिया था। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि फाइनेंस कर्मी और समूह की महिलाओं ने दुर्गा देवी से कहा था, "तुम फांसी लगाकर मर जाओ, सारे रुपए माफ कर दिए जाएंगे।" परिजनों ने यह भी बताया कि इससे पहले उनका मोबाइल छीन लिया गया था और घर का कुछ सामान भी ले जाया गया था। ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए फाइनेंस कर्मी अरविंद कुमार ने बताया कि सुबह ब्रांच मैनेजर महिला के घर आई थीं। हालांकि, उसने बातचीत की जानकारी होने से इनकार किया और कहा कि उसे यहां बुलाया गया था और उसकी पिटाई की गई है। मृतका के भाई शिवम कुमार ने आरोप लगाया की बहन ने एक लाख रुपए माइक्रो क्रेडिट फाइनेंस कैशपा से लोन ली थी। समूह का किस्त जमा करने के लिए सुबह से ही बैंक के कर्मी और समूह की महिलाएं टॉर्चर कर रही थी। एक सर अरविंद कुमार नामक आए थे उन्होंने रुपए जमा करने का प्रेशर दिया था और बोले थे, फांसी लगाकर मर जाओ लोन माफ़ हो जाएगा, इसी लिए वे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। घटना की जानकारी मिली है तो घर आए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पति, जो पटना में सब्जी बेचते हैं, उन्हें घटना की जानकारी दे दी गई है। गरौल थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मृतका की मां के बयान पर सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें से दो बैंक कर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य चार लोगों में पति, सास, ससुर और परिवार के सदस्य शामिल हैं, जिनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। पुलिस ने FSL टीम को बुलाया है और घटनास्थल से जुड़े तथ्य जुटाए हैं। बैंककर्मी की एक बाइक भी जब्त की गई है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

लव मैरिज के बाद हत्या कर दुपट्टे से लटकाया शव, मां बोली-पति बाइक की कर रहा था मांग

हाजीपुर। वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के माधवपुर राम गांव में एक नवविवाहिता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। आरोप है कि पति ने दहेज में अपाची बाइक न मिलने पर उसे मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद शव को दुपट्टे से घर के पीछे लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। मृतका के शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान मिले हैं। मृतका की पहचान 21 वर्षीय सुधा कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी दो साल पहले बेलसर थाना क्षेत्र के माधवपुर राम गांव निवासी चंदन कुमार के बेटे आर्यन कुमार से हुई थी। यह एक प्रेम विवाह था। मृतका की मां इंद्रावती देवी ने बताया कि उनकी बेटी ने दो साल पहले प्रेम विवाह किया था। शादी के शुरुआती छह महीने तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन उसके बाद दामाद आर्यन कुमार लगातार पैसों की मांग करने लगा। मृतका की मां इंद्रावती देवी ने बताया कि मैं एक विधवा हूं, फिर भी अपनी क्षमता के अनुसार पैसे दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एक बार जब सुधा मायके आई थी, तो आर्यन उसे ससुराल ले जाने से इनकार कर रहा था। उसने दहेज में 8 लाख रुपए की मांग की थी। इसके बाद पूरी रकम लेने के बाद ही वो बेटी को वापस ससुराल ले गया था। मां ने बताया कि लगभग एक महीने पहले सुधा इंटर की परीक्षा देने के लिए मायके आई थी। इस दौरान पति आर्यन उस पर लगातार दहेज में अपाची बाइक लाने का दबाव बना रहा था। मां ने बाइक देने में असमर्थता जताई, जिसके बाद आर्यन उसे वापस ससुराल ले गया। इंद्रावती देवी का आरोप है कि आज उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सुधा के शरीर पर चोट के निशान थे और पेशाब नली से खून का रिसाव हो रहा था, जो हत्या की ओर इशारा करता है। मृतका की मां ने दामाद आर्यन पर एक अन्य लड़की से अफेयर होने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आर्यन उनकी बेटी के साथ मारपीट भी करता था।

यूनियन बैंक में चोरी करते 3 बदमाशों को खदेड़ कर पकड़ा

ऑटोमेटिक चाकू और नशीले इंजेक्शन मिले, पटना में पुलिस ने खदेड़कर पकड़ा

एजेंसी, पटना

पटना के कृष्णापुरी इलाके के बोरिंग कैनाल रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास से ऑटो गैंग के 3 शातिर पकड़े गए हैं। इनकी पहचान नौबतपुर के मिथिलेश साव, मनेर के गोविंद कुमार और मैनपुरा के सन्नी कुमार के तौर पर हुई है। दरअसल शुक्रवार की सुबह थाने के पदाधिकारी गश्ती कर रहे थे। इसी बीच राजापुर पुल के पास एक संदिग्ध सीएनजी ऑटो सड़क किनारे यूनियन बैंक के पास खड़ा था। कुछ शातिर यूनियन बैंक के आउटडोर एसी को काटने के प्रयास में थे। पुलिस की गश्ती गाड़ी अपनी ओर आते देख ऑटो लेकर बोरिंग कैनल रोड होते हुए भागने लगे। इसके बाद थाने की पुलिस सकते में आ गई। चारों तरफ से उसे ऑटो को पकड़ने के लिए घेराबंदी शुरू की गई। हनुमान मंदिर के पास ऑटो पकड़ा गया।

आरोपियों के पास से कई सामान बरामदः इनके पास से Pheniramine ip injection 8, Leegesic 2ml 10 , CNG ऑटो BR01PR3847, एक ऑटो मेटिक चाकू, पिलास, पेचकस और सलाई रिंच बरामद किये गए हैं। फिलहाल पुलिस पूछताछ के आधार पर उनके नेटवर्क को खंगाल में जुटी है। पुलिस की पूछताछ में बताया है कि दिन में ऑटो चलते थे, और इसी दौरान बैंक में लगे आउटडोर एसी की रेकी करते रहते थे। मौका मिलते ही रात या अहले सुबह आउटडोर AC काटकर फरार हो जाते थे। इसलिए जाकर किसी कबाड़ की दुकान में बेचकर उस के एवज में मिले रुपए से नशा वगैरह का सामान खरीदते थे।

एलर्जी में कारगर है इंजेक्शनः Pheniramine ip injection एक्सपर्ट की माने तो एक एंटीहिस्टामाइन है। जिसका अमूमन इस्तेमाल एलर्जी से संबन्धित बीमारियों में किया जाता है। त्वचा की सूजन, मोशन सिकनेस के इलाज में कारगर होता है। हालांकि इसका इस्तेमाल अब नशे के लिए भी युवा कर रहे हैं।

रामनवमी, ईद को लेकर शांति समिति की बैठक

एजेंसी, पटना

बिहटा में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, जुलूस के लिए लेनी होगी प्रशासन से अनुमति

पटना के बिहटा थाना में आगामी ईद, रामनवमी और चैती छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना था। बैठक की अध्यक्षता बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने की। इसमें नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रिंकू सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न पूजा समितियों के सदस्य और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हुए।

डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, जुलूस के लिए अनुमति जरूरीः बैठक में प्रशासन की ओर से सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए। इसके तहत बिहटा में डीजे के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। साथ ही किसी भी प्रकार का जुलूस निकालने से पहले प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि, पटना जिला प्रशासन के निर्देश पर यह कदम उठाए गए हैं, ताकि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

ईद और रामनवमी को देखते हुए बिहटा क्षेत्र की मस्जिदों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर करीब 100 पुलिसकर्मियों की तैनाती की योजना है। साथ ही, पूरे क्षेत्र में CCTV कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और कोई भी संदिग्ध जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

ईद पर 850 फोर्स के अलावा आरएएफ की तैनाती

एजेंसी, पटना

सीसीटीवी और ड्रोन से होगी निगरानी, पटना में 32 संवेदनशील जगह, पुलिस ने निकाली फ्लैग मार्च

शनिवार को पूरे देश में धूमधाम से ईद मनाई जाएगी। इसे लेकर पटना के गांधी मैदान में विशेष इंतेजामत किए गए हैं। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि पूरे जिले में 32 संवेदनशील जगहों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से चिन्हित किया गया है। 850 पुलिस बल और एक RAF की कंपनी पटना जिले को मिली है। सभी जगह पर CCTV कैमरे और ड्रोन से निगरानी रखी जायेगी। इसके अलावा पटना पुलिस की ओर से सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही है। फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसी साइट्स की मॉनिटरिंग हो रही है।

पुलिस की ओर से फ्लैग मार्चः पटना पुलिस की ओर से अलग-अलग थाना क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन किया गया है। मंदिर, मस्जिद, और चौक चौराहे पर फोर्स मौजूद है। थाना स्तर पर भी शोहागपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए स्थानीय समाजसेवियों के साथ बैठक कर के हिदायत दी गई है।

इंजीनियर छात्र की जयपुर में संदिग्ध हालत में मौत, पीजी में फंदे से लटका मिला शव

एजेंसी, पटना

2 दिन बाद पटना लाई गई लाश

जयपुर में रहकर बी.टेक की पढ़ाई करने वाले पटना के एक छात्रा का शव गुरूवार की सुबह हास्टेल में फंदे से लटका मिला और शुक्रवार की सुबह को बॉडी घर लाया गया। मृतक वहां पर अपने बढ़े भाई के साथ एक PG में रहता था। बड़ा भाई वहीं रह कर जॉब करता था। परिजनों ने बताया कि छोटा बेटा एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई करता था और कंप्यूटर साइंस का द्वितीय वर्ष का छात्र था। हालांकि घटना की वजह क्या है यह अभी तक साफ नहीं है।

घटना वाले दिन नाइट ड्यूटी पर था भाईः मृतक की पहचान पटना के नौबतपुर बाजार निवासी अनिल गुप्ता के 20 वर्षीय पुत्र आदर्श राज के रूप में हुई है। पिता ने बताया कि आदर्श जयपुर के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ता था जबकि उसके बढ़े भाई अमन राज करीब की दो महीने पहले ही जॉब लगी थी परिजनों ने कहा कि दोनों बहुत अच्छे से साथ रहते थे। सब कुछ ठीक चल रहा था । बड़े बेटे कि कुछ दिनों से नाइट ड्यूटी चल रही थी, जिस समय घटना हुई उस समय भी वह ड्यूडी पर ही था।

बड़े भाई आदर्श ने बताया कि ड्यूटी करके जब मै सुबह वापस आया तो दरवाजा खटखटाया। उसने नहीं खोला तो मुझे लगा कि सो रहा होगा। कुछ देर बाद फिर आया और दरवाजा खटाखटाया पर इस बार भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मुजे संदेह हुआ और मै तरंत पीजी के केयरटेकर को बुलाया। इसी बीच जब हमने खिड़की से देखा तो आदर्श का शव फंदे से लटक रहा था । इसके बाद हमने पुलिस को घटना की सूचना दी।

आत्महत्या या हत्या साफ नहींः जयपुर पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। शुक्रवार को शव नौबतपुर स्थित उनके पैतृक घर लाया गया। शव पहुंचते ही परिजनों में गम का माहौल छा गया।

पटना के राणाबीघा पीएचसी में दवाएं कूड़े में मिलीं, ग्रामीणों के आरोप-सही दवाएं फेंकी

समय पर नहीं पहुंचते डॉक्टर, विकलांग सर्टिफिकेट बनाने 2000 मांगते हैं

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल स्थित राणाबीघा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में बड़ी लापरवाही सामने आई है। मरीजों को दी जाने वाली बिना एक्सपायर हुई दवाएं कूड़े के ढेर में मिली हैं। आरोप है कि इन दवाओं को रात में पीएचसी के बगल में गड्ढा खोदकर जलाया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कूड़े में ऐसे कई कार्टून भी मिले हैं जिनमें बिना एक्सपायरी डेट वाली दवाएं थीं। इससे सरकारी दवा प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

खुले में रखा जाता है दवाओं का स्टॉकः ग्रामीणों का कहना है कि पीएचसी में दवाओं का स्टॉक खुले कमरे में रखा जाता है। बारिश और नमी के कारण लाखों रुपये की दवाएं खराब हो जाती हैं। इसके बावजूद सही तरीके से भंडारण की व्यवस्था नहीं की गई है। मरीजों का आरोप है कि यहां उन्हें केवल सर्दी-खांसी की सामान्य दवाएं ही मिलती हैं, जबकि अन्य जरूरी दवाएं या तो कूड़े में फेंक दी जाती हैं या बाजार में बेच दी जाती हैं।

13 पंचायतों के लोग हैं निर्भरः राणाबीघा पीएचसी पर 13 पंचायतों के हजारों लोग इलाज के लिए निर्भर हैं। बावजूद इसके, डॉक्टर और कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचते। ग्रामीणों का आरोप है कि पीएचसी प्रभारी सप्ताह में एक-दो दिन ही आती हैं और कुछ ही घंटों में लौट जाती हैं।

रिश्वत के भी आरोपः ग्रामीणों ने विकलांग प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 2,000 रुपये तक की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पैसा नहीं देने पर महीनों तक लोगों को चक्कर लगवाया जाता है। कुछ लोग 8 महीने से प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे हैं।

जांच और कार्रवाई की मांगः घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उन्होंने दवाओं को जलाने और कर्मचारियों की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पीएचसी प्रभारी सहित सभी जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ जांच कर सख्त कदम उठाया जाए।

पटना में पिस्टल के साथ हथियार तस्कर अरेस्ट

एजेंसी, पटना

10 मिनट तक पुलिस से झड़प, भीड़ ने छुड़ाने की कोशिश, राजेंद्र नगर में करता था सप्लाई

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके के सवेरा हॉस्पिटल के पास से एक हथियार तस्कर को पकड़ा गया है। इसकी पहचान रोहित कुमार उर्फ बिट्टू के तौर पर हुई है। उसे सवेरा हॉस्पिटल के पास से पकड़ा गया। पुलिस अब तस्कर से पूछताछ कर तक किन-किन लोगों को हथियार सप्लाई किया गया, इसकी भी जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बिट्टू मनेर से हथियार लाकर राजेंद्र नगर पत्रकार नगर और चित्रगुप्त नगर के इलाके में डिलीवरी करता था। इसकी सूचना बहादुरपुर के थानेदार शुभम झा को लगी। इसके बाद उन्होंने चित्रगुप्त नगर थाना पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद बुधवार को बहादुरपुर और चित्रगुप्त नगर के थानेदार सादे लिबास में सवेरा हॉस्पिटल के पास तस्कर का इंतजार करने लगे। जैसे तस्कर वहां पर पहुंचा, थानेदार ने उसे पकड़ने की कोशिश की। पकड़े जाने के दौरान आरोपी पुलिस को झटका देकर भागने लगा, लेकिन चित्रगुप्त नगर थानेदार ने पीछे से उसे पकड़ लिया। करीब 10 मिनट तक पुलिस और तस्कर के बीच गुत्थम-गुत्थी चलती रही। इस दौरान मौके पर भीड़ जमा हो गई और कुछ शरारती तत्वों ने आरोपी को छुड़ाने की कोशिश भी की, लेकिन पुलिस ने आखिरकार उसे काबू में कर लिया।

पटना जू के मोबाइल ऐप, वेबसाइट का शुभारंभ, टिकट बुकिंग आसान

एजेंसी, पटना

पटना जू में विश्व गौरैया दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मोबाइल ऐप और वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ प्रमोद कुमार ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस मोबाइल ऐप में आकर्षक फ्रंटएंड, टिकट बुकिंग, नेवीगेशन सुविधा, वन्यजीव और वनस्पति की सूचना, खोया पाया सुविधा, ऑडियो हेल्प और फीडबैक प्रणाली दिया गया है।

नेविगेशन सुविधा के साथ कर सकेंगे टूर प्लानः पटना जू के डायरेक्टर डॉ हेमंत पाटिल ने बताया कि, 'यह ऐप सभी पर्यटकों के लिए मददगार साबित होगा। साथ ही टिकट बुकिंग अब आसान हो जाएगी। कई सारे पर्यटक पटना जू पहली बार आते हैं। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता कि किस डायरेक्शन में जाना है। उनके लिए हमने नेविगेशन सुविधा इस ऐप में उपलब्ध करवाई है, जिसकी मदद से वह रास्ता नहीं भटकेंगे।'

टिकट बुकिंग के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरीः टिकट बुकिंग के लिए पर्यटकों को सबसे पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद घूमने के दिन की तारीख और समय डालकर पेमेंट करना होगा। टिकट जनरेट होकर QR कोड मेल पर और व्हाट्सएप पर आ जाएगा। अगर कोई पर्यटक लिमिटेड समय के लिए पटना जू में अपना टूर प्लान कर रहे हैं तो उसके लिए भी एक फीचर दी गई है।

पीएमसीएच को मिली सीधे डीजल खरीद की अनुमति

एजेंसी, पटना

बिजली कटने पर तुरंत चालू होगा जेनरेटर, बिना रूकावट मिलेंगी इमरजेंसी सेवाएं

पटना के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच में बिजली संकट को देखते हुए एक अहम प्रशासनिक फैसला लिया गया है। अब अस्पताल अधीक्षक को सीधे डीजल खरीदने का अधिकार मिल गया है। इस फैसले से बिजली ट्रिपिंग या कटौती होने पर जेनरेटर तुरंत चालू हो सकेगा, जिससे इमरजेंसी सेवाएं बिना किसी बाधा के जारी रहेंगी। पहले अस्पताल में उच्च क्षमता वाले जनरेटर उपलब्ध होने के बावजूद डीजल खरीद का अधिकार स्थानीय स्तर पर नहीं था। ईंधन की आपूर्ति के लिए बाहरी एजेंसियों पर निर्भरता के कारण अक्सर देरी होती थी। इससे मरीजों का इलाज और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रभावित होती थीं। अब नई व्यवस्था के तहत अस्पताल अधीक्षक अपने स्तर पर तत्काल निर्णय लेकर डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर सकेंगे। पीएमसीएच के पुनर्विकास के तहत निर्मित नए हॉस्पिटल टावर में आधुनिक सुविधाओं के कारण बिजली की मांग कई गुना बढ़ गई है। दर्जनों लिफ्ट, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, सेंट्रल एसी, लाइटिंग और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों के संचालन के लिए जेनरेटर की खपत काफी अधिक है।

पिछले कुछ समय से अस्पताल में बिजली ट्रिपिंग की समस्या गंभीर बनी हुई थी। कई बार नई इमारतों की उच्च क्षमता वाली लिफ्टें बीच में रुक जाती थीं, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को असुविधा होती थी। इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू जैसे संवेदनशील विभागों में बिजली की थोड़ी देर की बाधा भी मरीजों के इलाज को प्रभावित कर सकती थी।

डीजल खरीद के लिए लंबी फाइल प्रक्रिया समाप्तः इस नई व्यवस्था से कई लाभ होंगे। अब डीजल खरीद के लिए लंबी फाइल प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। बिजली आपूर्ति बाधित होते ही जेनरेटर तुरंत चालू करना संभव होगा, जिससे लिफ्ट, वेंटिलेटर, आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आएगी। साथ ही, तकनीकी समस्याओं का समाधान भी स्थानीय स्तर पर तेजी से किया जा सकेगा।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि, नए इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुरूप प्रशासनिक अधिकार मिलना जरूरी था। अब डीजल आपूर्ति के लिए बाहरी एजेंसियों पर निर्भरता खत्म होगी।' उन्होंने कहा कि, 'डीजल की खपत भले अधिक हो, लेकिन मरीजों की सुरक्षा और इलाज की निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है। PMCH में रोजाना हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में बिजली आपूर्ति की स्थिरता सीधे उनकी सुरक्षा से जुड़ी है।'

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय राजमार्ग-139W के निर्माण हेतु भू-अर्जन प्रक्रिया में तेजी, हरसिद्धि अंचल में विशेष शिविर आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-139W के निर्माण के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया निरंतर प्रगति पर है। यह महत्वपूर्ण परियोजना जिले के 5 अंचलों एवं 45 मौजों में संचालित की जा रही है। भू-अर्जन से संबंधित आवश्यक अभिलेखों के संकलन एवं रैयतों की सुविधा के लिए आज हरसिद्धि अंचल में एक विशेष शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, राजस्व पदाधिकारी, कानूनगो सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों की उपस्थिति रही।शिविर में बड़ी संख्या में प्रभावित रैयतों ने भाग लिया। रैयतों द्वारा भूमि से संबंधित आवश्यक दस्तावेज़ जमा किए गए तथा उनकी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का मौके पर ही समाधान किया गया। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से भू-अर्जन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जिला प्रशासन द्वारा रैयतों को समयबद्ध मुआवजा भुगतान एवं प्रक्रिया के सरलीकरण हेतु ऐसे शिविरों का आयोजन आगे भी जारी रखा जाएगा। जिला प्रशासन सभी रैयतों से अपील करता है कि वे आगामी शिविरों में भाग लेकर आवश्यक अभिलेख समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि भू-अर्जन की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण किया जा सके।

बिहार दिवस 2026: शिक्षा विभाग की तैयारियाँ तेज, पूर्वी चंपारण के दो शिक्षक मृत्युंजय कुमार एवं विनोद कुमार राज्य स्तरीय आयोजन हेतु चयनित

बीएनएम @ मोतिहारी/पताही। प्रखंड क्षेत्र के दो शिक्षकों का चयन राज्य स्तरीय आयोजन हेतु हुआ है बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य परियोजना निदेशक द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के आलोक में बिहार दिवस–2026 को इस बार और अधिक भव्य एवं प्रभावशाली बनाने की तैयारी तेज कर दी गई है। 22, 23 एवं 24 मार्च को ऐतिहासिक गांधी मैदान, पटना में आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की विशेष भागीदारी सुनिश्चित की गई है। शिक्षा विभाग के पवेलियन में इस अवसर पर नवाचार आधारित शिक्षण मॉडल, गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला, सह-शैक्षिक गतिविधियाँ एवं छात्र प्रतिभाओं के प्रदर्शन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता, बौद्धिक क्षमता एवं आत्मविश्वास को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन के सफल संचालन हेतु राज्य भर से चयनित शिक्षकों एवं व्याख्याताओं की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड के लिए गौरव की बात है कि प्रखंड से दो ऊर्जावान एवं समर्पित शिक्षकों का चयन हुआ है। चयनित शिक्षकों में मृत्युंजय कुमार, नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला तथा विनोद कुमार, नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बेलाही राम पूर्वी (प्रखंड–पताही) शामिल हैं। इन दोनों शिक्षकों को 20 मार्च से 25 मार्च 2026 तक पटना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रतिनियुक्त किया गया है। पूर्वी चंपारण के इन शिक्षकों के चयन से जिले में हर्ष का माहौल है। यह उपलब्धि न केवल संबंधित विद्यालयों बल्कि पूरे जिले के शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

रामगढ़वा में अकीदत व शांति के साथ अदा हुई अलविदा जुमे की नमाज

बीएनएम @ रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों और पंचायतों में रमजान के आखिरी जुमे 'अलविदा जुमे' की नमाज शुक्रवार को पूरे अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। बेला अधकपरिया, ऊंची भाटिया समेत कई मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने खुदा की इबादत कर देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। इस पावन अवसर पर इमाम इस्लाम और मुफ्ती जियाउल हक कासमी ने नमाज की इमामत करते हुए इस्लाम के शांति और सद्भाव के संदेश पर प्रकाश डाला। साथ ही रमजान के समापन और ईद-उल-फितर के महत्व को भी विस्तार से बताया। नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। थाना अध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में पुलिस बल ने संवेदनशील क्षेत्रों और मस्जिदों के आसपास कड़ी निगरानी रखी। एसआई सुमित कुमार, एसआई अजीत सिंह, एसआई रेणु कुमारी समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने भीड़ और यातायात को सुव्यवस्थित बनाए रखा।

फायरिंग कांड में प्राथमिकी दर्ज, ठेकेदार सुरेंद्र सिंह नामजद

» कामता मिश्रा पर हमले में नया मोड़, एसआईटी जांच तेज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना अंतर्गत गायघाट में हार्डवेयर व्यवसायी कामता मिश्रा के घर पर हुई फायरिंग मामले में नया मोड़ आ गया है। इस संबंध में हरसिद्धि थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दी गई है, जिसमें शहर के ठेकेदार सुरेंद्र सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके बाद पुलिस जांच और तेज कर दी गई है। हरसिद्धि के अपर थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर ठेकेदार को नामजद किया गया है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए ठेकेदार से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस टीम छापेमारी के लिए गई हुई है और लौटते ही प्राथमिकी की औपचारिक कार्रवाई पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि घटना के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने पहले ही एक ठेकेदार सहित दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी थी। अब नामजदगी के बाद सुरेंद्र सिंह की भूमिका को लेकर जांच और गंभीर हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र सिंह और कामता मिश्रा के बीच छड़-सीमेंट के लेन-देन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं इसी विवाद के चलते घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया। बताया जाता है कि शुक्रवार की रात करीब 8 बजे तीन अज्ञात हमलावरों ने कामता मिश्रा के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी थी। उस समय वे घर पर मौजूद नहीं थे, जिससे उनकी जान बच गई। घटना के बाद से गांव में भय का माहौल बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि करीब एक वर्ष पूर्व भी कामता मिश्रा पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें उनके जबड़े में गोली लगी थी। उस मामले में पुलिस ने शूटर और लाइनर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन मुख्य साजिशकर्ता अब तक गिरफ्त से बाहर है। एसपी द्वारा चार माह पूर्व साजिशकर्ता पर इनाम की घोषणा भी की गई थी, बावजूद इसके गिरफ्तारी नहीं हो सकी। लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस का दावा है कि हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन: 38 आवेदनों पर सुनवाई, शीघ्र समाधान का आश्वासन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 38 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। कार्यक्रम जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता (लोक शिकायत), पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लेकर प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई की। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता शैलेंद्र कुमार भारती ने कहा कि सभी आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारियों के स्तर से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समस्याओं का विधिसम्मत एवं शीघ्र समाधान हो सके। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद एवं राजस्व विभाग से संबंधित मामले सामने आए। इन सभी आवेदनों को आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र निष्पादन हेतु भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

ई. केवाईसी में लापरवाही पर पंचायत रोजगार सेवक पर कार्रवाई, तीन साल तक 15% मानदेय कटौती

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड स्थित हरपुर राय पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक मनोज कुमार सिंह पर मनरेगा कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता को लेकर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद ई. केवाईसी कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। 28 फरवरी 2026 की रिपोर्ट में औल लेबर में 43.96 प्रतिशत तथा एक्टिव लेबर में में 61.93 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जिसे असंतोषजनक माना गया। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ने भी 16 फरवरी 2026 को पत्र जारी कर उनके कार्यों में लापरवाही, पंचायत एवं प्रखंड कार्यालय में अनुपस्थिति तथा कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। साथ ही जॉब कार्ड डिलीट करने के लिए कोई डाटा भी उपलब्ध नहीं कराया गया। इस दौरान कई बार स्पष्टीकरण मांगा गया और सुधार के निर्देश दिए गए, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। 14 फरवरी को आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में भी वह बैठक समाप्त होने के बाद पहुंचे, जिसे अनुशासनहीनता का उदाहरण माना गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी-सह- जिला कार्यक्रम समन्वयक के निर्देश पर उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने कार्रवाई करते हुए उनके मूल मानदेय में 15 प्रतिशत की कटौती तीन वर्षों के लिए लागू कर दी है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गैस आपूर्ति में पारदर्शिता बरतें संचालक, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: एसडीओ

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में अनुमंडल अंतर्गत संचालित सभी गैस एजेंसियों के संचालकों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित सभी प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू, पारदर्शी और उपभोक्ता अनुकूल बनाना था। बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी गैस एजेंसी संचालकों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि सभी आउटलेट एवं गोदामों पर स्टॉक की वर्तमान स्थिति का प्रदर्शन अनिवार्य रूप से किया जाए ताकि आम नागरिकों को सही जानकारी मिल सके। साथ ही, उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि गैस सिलेंडरों का वितरण केवल सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही किया जाए और अवैध वसूली की शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वितरण प्रणाली में पक्षपात और अनियमितताओं को रोकने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी ने "पहले आओ, पहले पाओ" के सिद्धांत को कड़ाई से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सिलेंडर की बुकिंग और आपूर्ति का निष्पादन पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी एजेंसियों को नियमित रूप से सिलेंडर का उठाव करने और निर्बाध वितरण जारी रखने को कहा गया है ताकि आम जनता पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अंत में, उन्होंने सभी संचालकों को चेतावनी दी कि निर्देशों का उल्लंघन करने या कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रशासनिक स्तर पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मोतिहारी नगर निगम का 208 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित, बहुआयामी योजनाओं पर विशेष बल

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर निगम के सभागार में शुक्रवार को आयोजित बोर्ड की बैठक महापौर प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में उप महापौर लालबाबू प्रसाद, नगर आयुक्त आशीष कुमार, सशक्त स्थायी समिति के सदस्य, सभी पार्षद, निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य की सक्रिय एवं उल्लेखनीय उपस्थिति रही।बैठक का प्रारंभ अतिथियों के औपचारिक स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ, जिसमें नगर के सतत विकास, सुव्यवस्थित प्रशासन तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं के प्रति निगम की प्रतिबद्धता को पुनः अभिव्यक्त किया गया।इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मोतिहारी नगर निगम का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया, जिसमें 208 करोड़ का व्यय प्रावधान निर्धारित किया गया है। विस्तृत वित्तीय रूपरेखा के अनुसार कुल अनुमानित आय 377.49 करोड़ तथा कुल अनुमानित व्यय 208.21 करोड़ निर्धारित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 169.28 करोड़ के अधिशेष का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह अधिशेष नगर के दीर्घकालिक आधारभूत एवं संरचनात्मक विकास के लिए एक सुदृढ़ वित्तीय आधार प्रदान करता है। प्रस्तुत बजट में नगर को स्वच्छ, सुदृढ़, आधुनिक एवं नागरिक-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से विविध विकासोन्मुख योजनाओं को समाहित किया गया है। प्रमुख प्रावधानों में सड़कों एवं नालों के निर्माण हेतु 72 करोड़ रुपये, स्वच्छता व्यवस्था के आधुनिकीकरण हेतु उपकरण क्रय के लिए 17.90 करोड़ रुपये, जलापूर्ति सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 5 करोड़ रुपये, स्ट्रीट लाइट प्रबंधन हेतु 10 करोड़ रुपये, कचरा प्रबंधन के अंतर्गत एम.आर.एफ एवं कम्पोस्ट प्लांट स्थापना हेतु 12 करोड़ रुपये तथा पार्कों के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण हेतु 3 करोड़ रुपये है। वहीं जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु एम्बुलेंस सेवा एवं शव वाहन सेवा के लिए 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य परामर्श केंद्र की स्थापना एवं शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालयों के विकास हेतु भी 50 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। शैक्षिक एवं सांस्कृतिक प्रोत्साहन के दृष्टिकोण से मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए 5 लाख रुपये तथा खेल-कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन हेतु 5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर की समग्र स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने हेतु लगभग 21 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान है, जिससे शहरी जीवन-स्तर में गुणात्मक सुधार अपेक्षित है। बैठक के समापन चरण में विचार-विमर्श उपरांत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को सर्वसम्मति से पारित किया गया, जो नगर निगम की प्रशासनिक एकजुटता एवं विकासोन्मुख दृष्टिकोण का परिचायक है।

महारामनवमी पर दो दिवसीय महायज्ञ, अष्टयाम-हनुमान आराधना व मेला 27-28 मार्च को

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। महारामनवमी के पावन अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के प्रसौना-मदन भटिया, योगलिया-मुशहरी टोला, डुमरी, लक्ष्मीपुर एवं खुगुनी के मध्य मार्ग स्थित माता कुवारी देवी मनोकामना सिद्ध स्थल पर 27 व 28 मार्च 2026 को भव्य वैदिक महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए वेद मंत्रोच्चारण के साथ हरिनाम अष्टयाम एवं हनुमान आराधना का आयोजन होगा। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए मेला और प्रसाद वितरण की भी विशेष व्यवस्था की गई है। यज्ञ का संचालन यज्ञाचार्य आचार्य मुकेश पाण्डेय के निर्देशन में संपन्न होगा। आयोजन को सफल बनाने में ब्रजेश सिंह, व्यास जी, योजन सिंह, गुली कुंवर, सुरेश गिरी, झुना व्यास जी एवं भूटकून सिंह (संजय सिंह) सहित अन्य ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी ग्रामवासियों को सौंपी गई है। आयोजन समिति ने आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं से सपरिवार पहुंचकर यज्ञ में आहुति देने एवं पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

गैस एजेंसी संचालकों के साथ एसडीओ की बैठक, होम डिलीवरी व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा की अध्यक्षता में सदर अनुमंडल कार्यालय कक्ष में अनुमंडल अंतर्गत संचालित सभी गैस एजेंसी संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। इस बैठक में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान सभी गैस एजेंसी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि घरेलू गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ताओं द्वारा ऑनलाइन बुकिंग के बाद निर्धारित समय के भीतर गैस की आपूर्ति करना अनिवार्य है। साथ ही, गैस वितरण में FIFO (फर्स्ट इन फर्स्ट आउट) प्रणाली का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया, ताकि पहले बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो इसकी सूचना तुरंत स्थानीय थाना को दी जाए, जिससे आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों के बुकिंग एवं डिलीवरी सिस्टम की नियमित जांच की जाएगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनता की सुविधा के लिए जिला नियंत्रण कक्ष (फोन नंबर: 06252-242418) सुबह 7:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संचालित है, जहां शिकायत दर्ज कराई जा सकती है और उनका त्वरित समाधान किया जा रहा है। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि जमाखोरी, कालाबाजारी, घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग तथा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज एवं पकड़ीदयाल की अध्यक्षता में भी संबंधित क्षेत्रों में गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर समान निर्देश दिए गए हैं।

देवरहा बाबा गुरुकुल आश्रम में सद्गुरु महायज्ञ एवं श्री राम कथा के दूसरे दिवस श्रद्धा और विश्वास का संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। देवरहा बाबा गुरुकुल आश्रम में आयोजित सद्गुरु महायज्ञ एवं श्री राम कथा के दूसरे दिवस वृंदावन धाम से पधारे संत देवव्रत जी महाराज ने अपने प्रवचन में श्रद्धा और विश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्री रामचरितमानस केवल कथा नहीं, बल्कि अध्यात्म और व्यवहार दोनों को सुदृढ़ बनाने वाला ग्रंथ है। संत श्री ने गोस्वामी तुलसीदास जी के संदर्भ में कहा कि बिना शिव चरित्र का श्रवण किए श्री रामचरित में प्रवेश संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि श्री रामचरित मानवता का मंदिर है और शिवचरित्र उसका द्वार। जैसे बिना द्वार पार किए भवन में प्रवेश नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार शिव कथा के बिना राम कथा का मर्म समझना कठिन है। उन्होंने "भवानी शंकर बंदे श्रद्धा विश्वास रूपिनो" का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान शंकर विश्वास के प्रतीक हैं—अटल, अविरल, निष्काम और पूर्णकाम। साथ ही "श्रद्धावान लभते ज्ञानम्" का उद्धरण देते हुए बताया कि श्रद्धा से ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने प्रहलाद जी के प्रसंग का उदाहरण देते हुए विश्वास की शक्ति को स्पष्ट किया। संत देवव्रत जी ने कहा कि आज के समय में लोग भगवान पर श्रद्धा तो रखते हैं, पर विश्वास संसार पर करने लगे हैं, जिसके कारण जीवन में विपरीत परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने सती और भगवान शंकर के प्रसंग के माध्यम से समझाया कि सच्चा विश्वास शास्त्रों और संतों की वाणी को सुनकर ही विकसित होता है। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री राम कथा के यजमान इनरव्हील क्लब की चार्टर्ड प्रेसिडेंट संगीता चित्रांश एवं अमृता देवी द्वारा व्यास पूजन किया गया। द्वितीय दिवस का शुभारंभ इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष लोकिता जी, निशा जी और मधु पद्यमा तथा श्रीमद्भागवत कथा के अध्यक्ष अमित कुमार और नीरज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिव-पार्वती विवाह प्रसंग की झांकी ने भक्तों को भावविभोर कर दिया और श्रद्धालु झूम उठे। मंच संचालन सहसचिव राम भजन द्वारा किया गया। अतिवृष्टि के बावजूद भक्तों का उत्साह बना रहा और वे राम नाम संकीर्तन में निरंतर लीन रहे।

संक्षिप्त समाचार

डुमरियाघाट में देर रात सड़क हादसा, साइकिल सवार बुजुर्ग व बाइक चालक गंभीर

बीएनएम @ डुमरियाघाट। स्टेट हाईवे -74 मार्ग पर गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मियों की पहचान उत्तरी हुसैनी पंचायत के मोहन टोला निवासी 80 वर्षीय समसुद्दीन अंसारी एवं केसरिया थाना क्षेत्र के गोच्छी कुशहर पंचायत के दुमा टोला निवासी 30 वर्षीय कन्हैया कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, समसुद्दीन अंसारी हुसैनी बाजार में कपड़े की सिलाई का काम करते हैं। ईद पर्व को लेकर काम का दबाव अधिक होने के कारण वे देर रात दुकान बंद कर साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान हुसैनी एक्सचेंज के समीप केसरिया की ओर से आ रही एक अज्ञात बस और बाइक के बीच अचानक भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसी को स्पष्ट नहीं हो सका कि टक्कर किस वाहन से हुई, लेकिन साइकिल सवार समसुद्दीन और बाइक सवार कन्हैया कुमार के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए प्रशासन को सूचना दी और दोनों जख्मियों को नजदीकी चिकित्सक के पास पहुंचाया। वहां मौजूद डॉक्टर अमरीश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मोतिहारी में दोनों जख्मियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं, हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पकड़ीदयाल में गैस एजेंसी वितरकों की बैठक, होम डिलीवरी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

बीएनएम @ पकड़ीदयाल। अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न गैस एजेंसी के वितरकों की एक महत्वपूर्ण बैठक अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में उपभोक्ताओं को समय पर और सुचारु रूप से गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होम डिलीवरी व्यवस्था को और बेहतर एवं स्मूथ बनाने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में कालाबाजारी और जमाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी वितरकों को सख्त हिदायत दी कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दर पर ही गैस उपलब्ध कराई जाए और किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी पकड़ीदयाल एवं आपूर्ति पदाधिकारी पताही भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

नौकरी का झांसा देकर महिला से वसूले 50 हजार

महिला ने 5 लोगों पर दर्ज कराई प्राथमिकी

बीएनएम @ बगहा: बगहा पुलिस जिला के रामनगर थाना क्षेत्र से आशा बहाली के नाम पर 50,000 की ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। महुई गांव की निवासी रीमा देवी ने इस संदर्भ में कमलेश साह सहित पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।पीड़िता के अनुसार, दिसंबर 2024 में कमलेश साह ने सरकारी अस्पताल के पास उनसे मुलाकात कर आशा कर्मी की नौकरी दिलाने का झांसा दिया और इसके बदले 80,000 की मांग की। बाद में सौदा 50,000 में तय हुआ, जिसे महिला ने कर्ज लेकर चुकाया। तीन महीने बीत जाने के बाद भी जब बहाली नहीं हुई, तो पीड़िता 13 मार्च 2026 को आरोपी के घर पहुंची। वहां मौजूद परिजनों ने न केवल बदसलूकी की, बल्कि धक्का मारकर जान से मारने की धमकी भी दी। अगले दिन बस स्टैंड के पास मिलने पर मुख्य आरोपी कमलेश साह ने महिला के साथ अश्लील हरकत की और जातिसूचक गालियां देते हुए पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। रामनगर थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

विशाल यादव ने बढ़ाया बगहा का मान

बीएनएम @बगहा: बगहा के भीतहा प्रखंड स्थित ग्राम खैरवा कतकी के लाल विशाल यादव ने राष्ट्रपति वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल) जीतकर चंपारण का मान बढ़ाया है। गृह मंत्री अमित शाह के हाथों सम्मान पाने के बाद जब वे अपनी जन्मभूमि लौटे, तो बांसी धाम से खैरवा तक युवाओं के हुजूम ने उनका भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर उनके गुरु व पूर्व प्राचार्य पं० भरत उपाध्याय ने उन्हें गले लगाकर सम्मानित किया और इसे 'चंपारण की माटी का चमत्कार' बताया। उन्होंने युवाओं से विशाल से प्रेरणा लेकर सेना और खेलकूद के माध्यम से राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। स्वागत समारोह में पूर्व प्रमुख मन्नु सिंह चंदेल और विजया सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

तीन दिनों तक उत्सव के रंग में डूबेगा पश्चिम चम्पारण

कल से शुरू होगा भव्य जिला स्तरीय समारोह

बीएनएम @ बेतिया। बिहार दिवस-2026 के अवसर पर पश्चिम चम्पारण जिला प्रशासन द्वारा "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" के संकल्प के साथ भव्य आयोजनों की तैयारी अंतिम चरण में है। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि मुख्य समारोह का केंद्र बेतिया का गांधी सभागार (ऑडिटोरियम) होगा। उत्सव का आगाज़ 22 मार्च को सुबह 7:30 बजे समाहरणालय से पुलिस लाइन तक वॉकथॉन के साथ होगा, जबकि औपचारिक उद्घाटन पूर्वाह्न 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत गान से किया जाएगा।तीन दिवसीय इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ भोजपुरी लोक चित्रकला कार्यशाला और अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा की विशेष फोटोग्राफी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। छात्रों के लिए क्विज, गणित ओलंपियाड और रंगोली प्रतियोगिताएं रखी गई हैं, वहीं 23 मार्च को खेल भवन में कबड्डी व फुटबॉल जैसे खेल आयोजित होंगे। इस भव्य महोत्सव का समापन 24 मार्च को पुरस्कार वितरण के साथ होगा। प्रशासन ने आम जनता से इस उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

जिहुली उच्च विद्यालय में छात्राओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जिहुली उच्च विद्यालय में बिहार शिक्षा परियोजना के तहत किशोर/किशोरियों के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके भविष्य के करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिहुली अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अजीत महेरिया को विद्यालय परिवार द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने छात्राओं को सही करियर चयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले अपनी रुचियों, कौशल और व्यक्तित्व का आत्म-विश्लेषण करना जरूरी है, ताकि यह तय किया जा सके कि साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स में से कौन-सा क्षेत्र उनके लिए उपयुक्त है। उन्होंने 10वीं एवं 12वीं के बाद सही स्ट्रीम चयन करने, पेशेवर काउंसलिंग लेने तथा करियर लक्ष्यों के अनुसार आवश्यक कौशल विकसित करने पर जोर दिया। अजीत महेरिया ने आगे कहा कि आज के दौर में टेक्नोलॉजी, बिजनेस और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में बेहतर अवसर उपलब्ध हैं, इसलिए छात्राओं को समय के साथ चलकर अपने कौशल को विकसित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने से सफलता निश्चित रूप से मिलती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इससे उन्हें अपने भविष्य के प्रति स्पष्ट सोच विकसित करने में मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और करियर से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर दिया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में उत्साह और जिज्ञासा का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इससे छात्राओं में अपने भविष्य को लेकर नई ऊर्जा एवं जागरूकता का संचार हुआ।

व चैत्र नवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

त्योहार को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील

बीएनएम @ सुगौली

सुगौली। स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को ईद एवं चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों ने भाग लेते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर बल दिया। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने बताया कि पर्व के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। नगर पंचायत के प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, वहीं पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में पुलिस गश्ती लगातार जारी रहेगी और किसी भी प्रकार से शांति भंग करने वालों के खिलाफ त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में धर्मेंद्र कुमार नायक, भाजपा नेता एवं नगर पंचायत उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, नूरुल होदा कुरैशी, वार्ड पार्षद ऐनुल हक, मधुरेन कुमार, व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार, मोहम्मद साबिर समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी गिरफ्तार, निगरानी की कार्रवाई

बीएनएम @ पटना/नालंदा

पटना/नालंदा। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नालंदा जिले के नगरनौसा प्रखंड में पदस्थापित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती अनुका को 12 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई 20 मार्च 2026 को निगरानी थाना कांड संख्या-034/26 के तहत की गई। परिवादी अजय कुमार (ग्राम-खपुरा, थाना-नगरनौसा, जिला-नालंदा) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि छठ घाट निर्माण में आपूर्ति की गई सामग्री के भुगतान के एवज में बीपीआरओ द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद निगरानी टीम ने जाल बिछाकर आरोपी पदाधिकारी को उनके कार्यालय कक्ष से 12,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई पुलिस उपाधीक्षक पवन कुमार-II के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार पदाधिकारी से पूछताछ के बाद उन्हें निगरानी के विशेष न्यायालय, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की अनुसंधान प्रक्रिया जारी है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में भ्रष्टाचार के खिलाफ यह 34वीं प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें से 29 ट्रैप मामलों में अब तक 23 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि कुल 8.84 लाख रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई है।

शिक्षा और पुलिस के साझा प्रयास से निखरेगी रामगढ़वा की प्रतिभा

» रेशमा देवी +2 विद्यालय में भव्य करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। स्थानीय रेशमा देवी प्लस टू उच्च विद्यालय में बिहार पुलिस के तत्वावधान में 'करियर मार्गदर्शन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक (RDD) डॉ. रितेश रंजन शामिल हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। सफलता के लिए समय प्रबंधन, अनुशासन और एकाग्रता को जरूरी बताते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति गंभीर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राध्यापक राकेश रंजन ने की। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बीपीआरओ इंद्रजीत दास और पुलिस सब-इंस्पेक्टर रेणु कुमारी ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। एसआई रेणु कुमारी ने छात्राओं को पुलिस सेवा में आने के लिए प्रेरित किया, वहीं इंद्रजीत दास ने प्रशासनिक सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ पत्रकार अमित कुमार और विजय श्रीवास्तव ने मीडिया एवं संचार क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अंत में प्राध्यापक राकेश रंजन ने सभी अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

विधायक शालिनी मिश्रा ने एसडीओ के साथ केसरिया महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

बीएनएम @ केसरिया

केसरिया। तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव (21, 22 एवं 23 मार्च) को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसी क्रम में केसरिया की विधायक शालिनी मिश्रा ने चकिया की अनुमंडल पदाधिकारी शिवानी शुभम के साथ आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने आगमन एवं निकास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित रूप दिया जाए, जिससे यहां आने वाले लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। मौके पर पंडाल निर्माण कार्य प्रगति पर पाया गया। उप विकास आयुक्त ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और पंडाल निर्माण व साफ-सफाई का कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही विधि-व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ड्रॉप गेट की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार, 21 मार्च को संध्या 5 बजे महोत्सव का उद्घाटन होगा, जिसके बाद 6:30 बजे से सुप्रसिद्ध गायिका मालिनी अवस्थी एवं सूफी गायक कुमार सत्यम प्रस्तुति देंगे। 22 मार्च को दोपहर 3 बजे बौद्ध धर्म पर परिचर्चा तथा शाम 7 बजे से भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वहीं, 23 मार्च को संध्या 6:30 बजे बॉलीवुड गायक ऐश्वर्य पंडित एवं अतुल पंडित का कार्यक्रम निर्धारित है। विधायक ने स्थल पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली और सरकार की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार का भी निर्देश दिया, ताकि महोत्सव में आने वाले लोग इसका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी केसरिया सहित शिक्षा, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, आईसीडीएस, जीविका, विद्युत एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आजाद हिंद फौज का संस्थापक नीतेश पुलिस रिमांड पर

बीएनएम @ पकड़ीदयाल/मधुबन

पकड़ीदयाल/मधुबन। मधुबन थाना कांड संख्या 31/14 में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आजाद हिंद फौज के कथित संस्थापक नीतेश सिंह उर्फ महाराज को रिमांड पर लिया है। गुरुवार को उसे शिवहर जेल से मोतिहारी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से मधुबन पुलिस को रिमांड की अनुमति मिली। पुलिस के अनुसार, यह मामला 9 मार्च 2014 से जुड़ा है, जिसमें आर्म्स एक्ट, 27 सीएलए तथा अपराध की पूर्व योजना के तहत कार्रवाई की जा रही है। नीतेश सिंह महाराज, शिवहर जिले के तरियानी छपरा का निवासी है और उस पर मोतिहारी, शिवहर, सीतामढ़ी व मुजफ्फरपुर जिलों में कुल 39 आपराधिक मामले दर्ज हैं. जिसमें हत्या, रंगदारी, गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) एक्ट यूएपी के तहत भी मामले दर्ज हैं। नीतेश सिंह पर पूर्वी चंपारण जिले के विभिन्न थानों में 19 तथा मधुबन थाना में 7 मामले शामिल हैं। हाल ही में शिवहर के तरियानी छपरा थाना कांड 4/26 रंगदारी के मामले में गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस पुराने मामले में शिकंजा कसना तेज कर दिया है। थाना के थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार पांडेय ने जानकरी दी।

एसपी ने सहोदरा व मानपुर थाना सहित अनुमंडल पुलिस कार्यालय का किया निरीक्षण, लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने शुक्रवार को सहोदरा थाना, मानपुर थाना तथा नरकटियागंज अनुमंडल पुलिस कार्यालय का निरीक्षण कर पुलिस कार्यों की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहोदरा थाना निरीक्षण के दौरान एसपी ने मालखाना, सीसीटीएनएस, महिला हेल्प डेस्क, वायरलेस, थाना परिसर एवं आवासीय बैरक का जायजा लिया। साथ ही अपराध निर्देशिका, डकैती, लूट एवं गुंडा पंजी समेत विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया। लंबित हत्या, लूट व डकैती कांडों की समीक्षा करते हुए उन्होंने वारंट एवं कुर्की की प्रक्रिया तेज कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान थाना परिसर में नवनिर्मित महिला बैरक भवन का उद्घाटन भी किया गया। इसके बाद मानपुर थाना के निरीक्षण में भी एसपी ने सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अभिलेखों की जांच की और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। साथ ही थाना परिसर में वृक्षारोपण किया गया। वहीं, नरकटियागंज अनुमंडल पुलिस कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में लूट, गिरोह, डकैती एवं अपहरण से संबंधित पंजीयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। एसपी शौर्य सुमन ने कहा कि "विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन, अपराधियों की गिरफ्तारी और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।" निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरकटियागंज, संबंधित थानों के थानाध्यक्ष एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्यालय में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित, छात्रों को भविष्य के प्रति किया गया जागरूक

बीएनएम @ डुमरियाघाट

स्थानीय थाना क्षेत्र की दक्षिणी हुसैनी पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कैरियर गाइडेंस एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य के प्रति जागरूक करना एवं सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर डुमरियाघाट पुलिस के एसआई लखींद्र राम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हुसैनी की टीम ने छात्रों को अलग-अलग सत्रों में महत्वपूर्ण जानकारी दी। स्वास्थ्य पदाधिकारी ने विद्यार्थियों को बेहतर कैरियर निर्माण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। वहीं पुलिस पदाधिकारी एसआई लखींद्र राम ने छात्रों को कानून की बुनियादी जानकारी, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग यदि सही दिशा में आगे बढ़े तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने छात्रों को गलत संगति से दूर रहने और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कैरियर से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।

वंशवाद कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता

भारत भर में व्यापक रूप से फैले वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है?

अब तक राजनीति से दूर और कुछ समय पहले तक गुमनाम-सी जिंदगी जीने वाले निशांत कुमार जनता दल (यू) में शामिल हुए, तो पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने करतल ध्वनि की। खबर है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बनने वाली नई सरकार में निशांत उप-मुख्यमंत्री बनेंगे। वैसे, उनकी पार्टी के नेता तो उन्हें सीधे मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। निशांत ने कहा- 'पार्टी में शामिल होना मेरे पिता का निजी फैसला था, जिसे मैंने स्वीकार किया है। मैं अपने पिता के निर्देशन में काम करूंगा।' यानी यह पूरी तरह पारिवारिक घटनाक्रम है।

अभी चार महीने पहले विधानसभा चुनाव में अपने गठबंधन की भारी जीत के बाद जब निशांत के पिता नीतीश कुमार फिर मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने एनडीए के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा के तब तक अराजनीतिक बेटे दीपक प्रकाश को सीधे कैबिनेट मंत्री बना दिया। उस पर भी किसी को एतराज नहीं हुआ! देश में ऐसी घटनाएं आज इतनी आम हो गई हैं कि इनको लेकर बुद्धिजीवियों से लेकर मीडिया, और सियासी हलकों से लेकर आम जन तक में कोई नाराजगी नहीं देखी जाती। बल्कि इसे "लोकतंत्र" की सामान्य प्रक्रिया मान लिया गया है। बात इतनी आम और सर्व-स्वीकार्य हो गई है कि नीतीश कुमार की कथित खराब सेहत की चर्चा करते हुए एक बार आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री से अपना पद निशांत को सौंप देने की मांग कर डाली थी! चूंकि राबड़ी देवी का परिवार खुद लोकतंत्र को ऐसी विद्रूपता देने में बढ़-चढ़ कर शामिल है, इसलिए उनके ऐसा करने पर कोई हैरत नहीं हुई। लेकिन ये रुझान भारतीय लोकतंत्र में लगातार गिरावट का सूचक है। नेहरू- गांधी परिवार का नेतृत्व जब कांग्रेस में सहज स्वीकार्य होता गया, तब कम-से-कम सियासत के बाकी हिस्सों से उसके खिलाफ आवाज उठती थी। वंशवाद बताकर उसकी आलोचना की जाती थी। लेकिन भारत भर में व्यापक रूप से फैले ऐसे वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है?

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

डॉ. प्रियंका सौरभ

-क्या अनिवार्य अवकाश नीति महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाती है या उनके पेशेवर अवसरों को सीमित करने का जोखिम भी साथ लाती है?)

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब "अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश" की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज़ माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को "अतिरिक्त दायित्व" के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को "कम सक्षम" या "कम विश्वसनीय" कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि "अनिवार्य" शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा "समान व्यवहार" नहीं बल्कि "न्यायसंगत व्यवहार" भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं।

इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ "अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश" के बजाय "लचीली और वैकल्पिक नीति" का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है।

इसके साथ ही, कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके।

वास्तव में, इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए, या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता, और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

(लेखिका, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

बच्चों के नैसर्गिक विकास पर सोशल मीडिया का ग्रहण

मनोज कुमार अग्रवाल

बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर राज्यसभा में गंभीर चिंता व्यक्त की गई है । सांसद मिलिंद देवड़ा ने अपने वक्तव्य में बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी।

आपको पता है कि इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है।स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है।

भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक-तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता-पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ-साथ एकाग्रता में कमी आ रही है।

सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं।

इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा।

आंकड़े बताते हैं कि भारत के

लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ-साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई।

आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है। हाल ही में इंडोनेशिया ने भी किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई है और ऐसा करने वाला वह एशिया का पहला देश बन गया है। स्पेन और जर्मनी भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि हमारे बच्चों के दिमाग बिकाऊ नहीं हैं। बच्चों की मानसिक और भावनात्मक सेहत को उन कम्पनियों के भरोसे पर नहीं छोड़ा जा सकता जिनका उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना है।वहीं स्वीडन के कोरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के साथ एक अध्ययन किया गया कि बच्चे कितने समय तक अलग-अलग डिजिटल एक्टिविटी करते हैं. स्टडी में भाग लेने वाले बच्चों ने एवरेज 2.3 घंटे टीवी या ऑनलाइन वीडियो देखे, 1.4 घंटे तक सोशल मीडिया यूज किया और 1.5 घंटे तक वीडियो गेम्स खेलें. इन से एकाग्रता बुरी तरह से प्रभावित है।

भारत में पहले से ही डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचा मौजूद है, जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अभिभावकों की सत्यापित सहमति जैसे प्रावधान हैं। लेकिन हमें इससे आगे बढ़कर सोशल मीडिया कंपनियों को और अधिक जवाबदेह बनाना होगा।

बता दें कि पिछले कुछ समय से भारत में नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील और हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री देख कर बलात्कार जैसी वारदातें करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं 23 अक्तूबर, 2025 को जोधपुर (राजस्थान) में 3 वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक किशोर को गिरफ्तार किया। आरोपी के मोबाइल की जांच करने से पता चला कि उसने वारदात करने से पहले 15-20 अश्लील वीडियो देखे थे।

6 फरवरी, 2026 को बदायूं (उत्तर प्रदेश) के दातागंज में 8 और 14 साल की उम्र के 2 लड़कों को मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखने के बाद एक 6 साल की बच्ची से सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया।13 फरवरी, 2026 को रीवा (मध्य प्रदेश) में कुरकुरे दिलवाने के बहाने अपनी 6 वर्षीय बहन से बलात्कार करने के आरोप में एक 14 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने हिरासत में लिया।7 मार्च, 2026 को हाथरस (उत्तर प्रदेश) में जंगल में चारा लेने गई चौथी क्लास की छात्रा को मोबाइल फोन पर अश्लील सामग्री देखने के आदी 2 लड़के बेर देने अपने साथ ले गए और उससे बलात्कार कर डाला। दोनों लड़कों को पुलिस ने पकड़ लिया है।इस तरह की घटनाओं को देखते हुए 6 मार्च, 2026 को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सरकारों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऐसा कदम उठाने वाले ये देश के पहले 2 राज्य बन गए हैं।

आंध्र व कर्नाटक सरकारों द्वारा उक्त प्रतिबंध लगाने से बच्चों के चारित्रिक पतन को किसी सीमा तक रोकने में सहायता मिलेगी। सरकार की ओरसे करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 10-15 साल के 96 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते थे और उनमें से 10 में से सात हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आए थे. इसमें महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसक सामग्री के साथ-साथ खाने की बीमारियों और आत्महत्या को बढ़ावा देने वाला कंटेंट भी शामिल था. अब तक 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बैन लागू करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यूब, किक और रेडिट शामिल हैं. ऐसे में बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए यह कदम बहुत ही सराहनीय है.अतः सभी राज्यों में इस तरह के कानून को तुरंत सख्तीपूर्वक लागू करने और उस पर अमल सुनिश्चित करवाने की जरूरत है, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, आपको अपने दिनचर्या में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज आपके विरोधी भी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को सहयोगियों से मदद मिलेगी जिससे आपका कार्य जल्दी पूरा हो जायेगा। आज आपको बिजनेस के सिलसिले से राज्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। ऑफिस के काम में आज आपके सामने कई चुनौतियां भी आएंगी। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार खुलेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियां देंगे। आज कार्यों में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे हो जायेंगे। आज किसी से बातचीत करते समय आपको थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। दोस्तों के साथ शाम को अच्छा समय बीतेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। पार्टी में नई जिम्मेदारी मिलेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल होगी। समाज में आज आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आएगी। आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बड़ों से नई बात आप सीखेंगे। आज काफी दिनों से आपका रुका काम पूरा हो जायेगा, मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिल जुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज नए कार्य करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको खुशी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा, लेकिन आप किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर कोई बड़ा निवेश ना करें। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लगन और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वो आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन धान्य में बढ़ोतरी होगी।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आएगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। घर से क्लेश दूर हो जायेंगे।

मन की पावनता और गुणों का महत्व मानव जीवन की सच्ची संपदा

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक मूल्य बाहरी वैभव, धन-संपत्ति या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों से तय होता है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि संसार में अनेक शक्तिशाली शासक और आक्रान्ता हुए जिन्होंने अपनी ताकत के बल पर देशों को रौंदा, लोगों पर अत्याचार किए और भय का वातावरण बनाया। भारत की भूमि भी ऐसे आक्रमणों से अछूती नहीं रही। इतिहास के पन्नों में जब हम मोहम्मद गजनवी, मोहम्मद गोरी, नादिरशाह और तैमूरलंग जैसे आक्रांताओं के क्रूरतापूर्ण कार्यों को पढ़ते हैं, तो मन सिहर उठता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि कभी-कभी ऐसे क्रूर व्यक्तियों के जीवन से भी ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जो हमें जीवन के गहरे सत्य की सीख दे जाती हैं। तैमूरलंग के जीवन का एक प्रसंग इस सत्य को उजागर करता है। एक बार उसने दो मजबूत गुलामों को खरीदा और अपने दरबार में कवि अहमदी से उनकी कीमत पूछी। कवि ने मुस्कराकर कहा कि इनकी कीमत पाँच टके होगी। तैमूरलंग को यह सुनकर बहुत क्रोध आया, क्योंकि उसने उन्हें चार हजार अशर्फियों में खरीदा था। जब उसने अपनी कीमत पूछी तो कवि ने उसे दो टके बताया। यह सुनकर वह क्रोधित हो उठा, पर कवि ने शांत स्वर में कहा कि जो व्यक्ति अपनी बुराइयों का सामना नहीं कर सकता, वह दूसरों से भी कम मूल्य का होता है। यह बात सुनकर तैमूरलंग मौन हो गया। यह छोटी सी घटना हमें यह समझाती है कि मनुष्य का असली मूल्य उसके गुणों और उसके चरित्र से होता है, न कि बाहरी शक्ति से। संसार में गुणों का महत्व सर्वोपरि है। जिस वृक्ष पर फल, फूल और पत्ते नहीं होते, उसका कोई विशेष महत्व नहीं होता। उसी प्रकार बाँझ गाय भी किसी के लिए उपयोगी नहीं मानी जाती। ठीक इसी तरह यदि मनुष्य के जीवन में गुणों का अभाव हो जाए तो उसका जीवन भी निरर्थक हो जाता है। मनुष्य की आत्मा को मूल्यवान बनाने के लिए सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र का होना आवश्यक है। यह तीनों तत्व जीवन को ऊँचा उठाते हैं और आत्मा को श्रेष्ठ बनाते हैं। मनुष्य के जीवन की तुलना उस पक्षी से की जा सकती है जिसके पास उड़ने के लिए पंख होते हैं। यदि पक्षी के पंख ही न हों तो वह आकाश में उड़ान नहीं भर सकता। इसी प्रकार जीवन में यदि सही विचार और सही आचरण के पंख न हों तो मनुष्य भी आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच सकता। जीवन की सफलता के लिए आत्मानुशासन और सद्गुणों का विकास अत्यंत आवश्यक है। जीवन में गुणों का महत्व समझाने के लिए एक और उदाहरण दिया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति कुआँ खोदता जाए लेकिन उसमें पानी ही न निकले तो उसका सारा परिश्रम व्यर्थ हो जाता है। उसी प्रकार यदि कोई मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक लंबा जीवन जी ले, लेकिन उस जीवन में धर्म, सदाचार और आत्मचिंतन न हो, तो उसका जीवन भी बिना पानी के कुएँ के समान ही होता है। पानी के कारण ही कुएँ का अस्तित्व सार्थक होता है, उसी तरह गुणों के कारण ही मनुष्य का जीवन सार्थक बनता है। आज का समय एक ऐसी विडंबना प्रस्तुत करता है जहाँ भौतिक प्रगति तो बहुत हो रही है, लेकिन मानवीय गुणों में कमी दिखाई दे रही है। मनुष्य तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है, परंतु उसके भीतर की मानवता कहीं कमजोर पड़ती जा रही है। यही कारण है कि आज समाज में स्वार्थ, छल-कपट, हिंसा और ईर्ष्या जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती दिखाई देती हैं। जब मानवता कमजोर पड़ती है तो दानवता सिर उठाने लगती है। इसलिए आज के समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने गुणों को विकसित करे। मानवीय गुण धीरे-धीरे विकसित होते हैं। जैसे एक-एक ईंट जोड़कर मंदिर का निर्माण होता है, वैसे ही एक-एक सद्गुण को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को महान बना सकता है। सत्य, करुणा, दया, सहिष्णुता, संयम और विनम्रता जैसे गुण मनुष्य को ऊँचा उठाते हैं। इन गुणों को अपनाने से जीवन में स्थायी सुख और शांति प्राप्त होती है। गुणों की प्राप्ति के लिए स्वाध्याय का बहुत महत्व है। अच्छे ग्रंथों का अध्ययन और महापुरुषों की वाणी का श्रवण मनुष्य के विचारों को पवित्र बनाता है। महान चिंतकों ने भी पुस्तकों के महत्व को स्वीकार किया है। एक बार प्रसिद्ध विचारक इमर्सन से किसी ने पूछा कि यदि उन्हें स्वर्ग जाने का अवसर मिले तो वे क्या तैयारी करेंगे। उन्होंने उत्तर दिया कि वे अपनी सारी पुस्तकें साथ ले जाएंगे ताकि वहाँ भी उनका समय ज्ञान अर्जित करने में लगे। यह कथन बताता है कि ज्ञान और स्वाध्याय मनुष्य के जीवन को ऊँचा उठाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन हैं। मानव जीवन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मनुष्य को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। समय किसी का इंतजार नहीं करता। जो व्यक्ति समय रहते अपने जीवन को सुधार लेता है वही महान बनता है। इसलिए मनुष्य को अपना समय परनिंदा, आलस्य और व्यर्थ की बातों में नष्ट नहीं करना चाहिए। संत तुलसीदास ने भी कहा है कि परनिंदा के समान बड़ा पाप कोई नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपने समय को ज्ञान, साधना और सद्गुणों के विकास में लगाता है। मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुखों की प्राप्ति नहीं है। धन, वैभव और ऐश्वर्य क्षणभंगुर होते हैं। इनसे स्थायी सुख प्राप्त नहीं होता। वास्तविक सुख आत्मिक शांति में होता है। जब मनुष्य अपने भीतर झाँककर अपने आत्मस्वरूप को पहचानता है तब उसे सच्चा आनंद मिलता है। यही आत्मिक सुख जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मनुष्य को यह भी समझना चाहिए कि उसका मन ही उसके जीवन का सबसे बड़ा साधन है। यदि मन शुद्ध और शांत रहेगा तो जीवन भी सुखी और शांत रहेगा। लेकिन यदि मन में बुरे विचार और नकारात्मक भाव भर जाएँ तो जीवन अशांत हो जाता है। इसलिए मन की शुद्धि अत्यंत आवश्यक है। मन को शुद्ध रखने के लिए आत्मानुशासन जरूरी है। प्राचीन ऋषियों और मुनियों ने मन और आत्मा की शुद्धि के लिए अनेक मार्ग बताए हैं। उन्होंने कहा है कि मनुष्य को अशुभ भावों को त्यागकर शुभ भावों को अपनाना चाहिए। क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे दोष मन को अशांत बनाते हैं, जबकि दया, क्षमा और प्रेम जैसे गुण मन को पवित्र बनाते हैं। मन की शुद्धि को समझाने के लिए एक रोचक उदाहरण दिया जाता है। एक व्यक्ति नदी में स्नान करने के बाद माला जप रहा था। उसके सामने एक फकीर भी माला फेर रहा था, लेकिन वह माला को उलटी दिशा में फेर रहा था। जब उस व्यक्ति ने इसका कारण पूछा तो फकीर ने कहा कि जब वह दुनिया की अच्छाइयों को अपने भीतर ग्रहण करता है तो माला को अंदर की ओर फेरता है और जब वह अपने मन की बुराइयों को बाहर निकालना चाहता है तो माला को बाहर की ओर फेरता है। इस उदाहरण का अर्थ यह है कि मनुष्य को जीवन की अच्छाइयों को अपने भीतर उतारना चाहिए और बुराइयों को बाहर निकाल देना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

यशस्वी सहित इन तीन क्रिकेटरों पर रहेगी रॉयल्स की जिम्मेदारी

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल में इस बार नये कप्तान रियान पराग के साथ उतर रही। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। रॉयल्स के पास उभरते क्रिकेटर युशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और शिमोन हैटमायर हैं हालांकि उसे इस सत्र में अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन की कमी खेलेगी। टीम का उम्मीद रहेगी की उसके युवा खिलाड़ जबरदस्मत प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायें। पिछले कुछ सत्र में टीम ने युवाओं को अधिक से अधिक अवसर दिये हैं। जिस प्रकार से वैभव, यशस्वी और पराग सहित युवा खेल रहे हैं उससे रॉयल्स का सामना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। ये खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और टीम की सफलता काफी हद तक इनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी संतुलित बल्लेबाज़ी है। टीम में शीर्ष क्रम से लेकर मध्य क्रम तक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बड़े शॉट्स खेलने के साथ-साथ पारी को संभालने में कुशल हैं। टीम में देशी ओर विदेशी खिलाड़ियों का मिश्रण इसे ओर भी अधिक घातक बनाता है। टीम किसी भी प्रकार के हालातों में निडर होकर खेलने तैयार है। इसके बाद भी इन तीन खिलाड़ियों को निभानी होगी अहम भूमिका। यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल इस सीज़न में टीक के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ साबित हो सकते हैं। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने पिछले सीज़न में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 559 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 159.71 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाज़ी को दिखाता है। वह बड़ी पारी खेलने में माहिर होने के साथ ही एंकर की भूमिका भी निभाते हैं। सैमसन के टीम से जाने के बाद अब बल्लेबाज़ी की ज़िम्मेदारी काफी हद तक उनके पास रहेगी। ऐसे में टीम को अच्छी शुरुआत देने की जिम्मेदार उनपर रहेगी।

वैभव सूर्यवंशीः 14 साल के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी रॉयल्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाकर सबको प्रभावित किया था।उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर इतिहास रच दिया था और टीम20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी बने। इस दूसरे सत्र में भी उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। वैभव का कहना है कि उनकी नजरे क्रिस गेल के 175 रनों का रिकार्ड तोड़ना है।

शिमरॉन हेटमायरः वेस्टइंडीज़ के आक्रामक बल्लेबाज़ शिमरॉन हेटमायर रॉयल्स मध्यक्रम के आधार हैं। वह लंबे समय से टीम का हिस्सा हैं और कई मौकों पर मैच विजेता पारियां खेल चुके हैं।हाल ही में T20 वर्ल्ड कप 2026 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तेज़ स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी सबसे बड़ी ताकत दबाव में भी बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता है। इस सत्र में टीम उनसे फिनिशर की भूमिका निभाने की उम्मीद करेगी।

आरसीबी तीसरे नंबर पर पडिक्कल या वेंकटेश में से किसे उतारेगी : रैना

एजेंसी, नई दिल्ली

इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में आरसीबी जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताबी जीत के लिए अपने बल्लेबाजी क्रम पर भी ध्यान देना होगा। पारी की शुरुआत पहले ही तरह ही है विराट कोहली और फिल साल्ट पिछले करेंगे पर नंबर तीन पर टीम किये उतारेगी ये अभी तय नहीं है। इस स्थान पर अभी तक देवदत्त पडिक्कल उतरते थे पर इस बार टीम ने वेंकटेश अय्यर को भी खरीदा है। ऐसे में वह भी इस स्थान पर उतरने के दावेदार हैं।

ऐसे में टीम प्रबंधन के लिये ये आसान नहीं होगा कि किसे अवसर दे। दोनों ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पडिक्कल ने पिछले बार इसी नंबर पर खेला था और अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनकी संभावनाएं ज्यादा हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर को इस बार टीम ने नीलामी में खरीदा था। वेंकटेश को पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण केकेआर ने रिलीज कर दिया था।

वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का कहन है कि आरसीबी के पडिक्कल को तीसरे नंबर पर उतारने की संभावना अधिक है। रैना ने कहा, 'मुझे लगता है कि आरसीबी पडिक्कल को तीसरे नंबर पर खिलाएगी क्योंकि फिर चौथे नंबर पर जितेश शर्मा हैं। वहीं पांचवे नंबर पर कप्तान रजत पाटीदार उतरेंगे।'वहीं रैना का कहना है कि कि एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच वेंकटेश के लिए अनुकूल रहेगी ऐसे में उन्हें बैटिंग क्रम में ऊपर भेजा जा सकता है जिससे की दाएं-बांए संयोजन भी बना रहे। वेंकटेश भी इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्हें 23.75 करोड़ रुपये देकर केकेआर ने खरीदा था पर वह असफल रहे थे। ऐसे में टीम ने उन्हें इस बार नहीं रखा था।

सहवाग की तरह आक्रामकता को संतुलित करें अभिषेक : कुंबले

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सलाह दी है कि उन्हें लंबी पारी खेलने के लिए सही संतुलतन बनाना होगा। कुंबले के अनुसार अभिषेक को बल्लेबाजी के दौरान अपनी आक्रामकता पर नियंत्रण करना होगा ताकि वह जिम्मेदारी से अपनी भूमिक निभा सकें। इसके लिए उन्हें पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बल्लेबाजी देखनी चाहिये। जिस प्रकार सहवाग ने अपने करियर के दौरान आक्रामकता को संतुलित कर लंबी पारियां खेली हैं। वैसा ही अभिषेक भी कर सकता हैं। अभी वह अधिकतर अधिक जोखिम उठाकर रन टीम को तेज शानदार शुरुआत दिलाते हैं पर बड़ी पारी नहीं खेल पाते। कुंबले ने कहा, मैं उनकी तुलना सहवाग जैसे खिलाड़ी से करूंगा क्योंकि वह भी हर गेंद को स्मैश करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से एकदिवसीय क्रिकेट और फिर टी20 में आए तो उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी की गति थोड़ी अलग तरह से तय करनी होगी। हालांकि सहवाग तब भी 140-150 के स्ट्राइक रेट से खेलते थे। अभिषेक को भी इसी प्रकार की नीति अपनानी होगी। उन्हें अपने से पूछना चाहिए, मैं 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहा हूं, मुझसे उम्मीदें लगी हुई हैं, तो क्या अब मुझे 300 के स्ट्राइक रेट से खेलना चाहिए या नहीं? आपको बस सामान्य रहना है।

आपको ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलनी हैं। उन्होंने कहा, अगर वह किसी पारी में 20 गेंदें खेलते हैं तो करीब 50 रन तक पहुंच जाएंगे। हमने संजू सैमसन के साथ भी ऐसा ही देखा है, वह 40 या 50 के स्कोर पर आउट नहीं होते बल्कि पारी को और आगे ले जाकर 85-90 के स्कोर तक पहुंचते हैं और अपनी पारी को यादगार बनाते हैं। कुंबले ने कहा, टी20 प्रारूप में आपको इसी तरह की ही बल्लेबाजी की जरूरत होती है। हो सकता है अभिषेक इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए बदलाव लाये। गौरतलब है कि अभिषेक टी20 विश्व कप में अधिक सफल नहीं रहे और केवल दो बार ही 50 रनों से अधिक बना पाये। अब वह 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते नजर आएंगे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भी कहा कि उन्हें अपनी निरंतरता पर काम करने की जरुरत है। इसका कारण है कि उनसे टीम को काफी उम्मीदें रहेंगी।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

2027 तक पद पर बने रहना चाहते हैं

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। इसके अलावा साल 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारतीय टीम ने जीता था। टेस्ट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहो। टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह नहीं बना पायी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को करारी हार मिली।

अगरकर के मुख्य चयनकर्ता रहते भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, इससे भी उनका कार्यकाल आगे बढ़ाने जाने की संभावना बढ़ गयी है।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सीएमपीडीआई का आईपीओ, 30 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) लिमिटेड का 1,842.12 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 163 रुपये से लेकर 172 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 80 शेयर का है। सीएमपीडीआई ने अपने कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर आठ रुपये के डिस्काउंट का भी ऐलान किया है। सीएमपीडीआई के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 80 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,760 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,640 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में 1,120 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 10.71 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 22.83 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 39.93 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 17.11 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के पुराने शेयर होल्डर्स के लिए 13.42 प्रतिशत और कंपनी के कर्मचारियों के लिए 6.71 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 296.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 503.23 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 666.91 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 425.36 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

स्पेशियलिटी मेडिसिन्स का आईपीओ लॉन्च , 24 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड का 29.14 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर दो बजे तक कंपनी के आईपीओ को 46 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 117 रुपये से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,48,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 23.50 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम दो प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 49 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी न्यूनतम 49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए यूनीस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं ऐक्यम कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 6.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 27.66 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 58.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी को 36.93 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 2.86 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी पर 4.81 करोड़ रुपये का कर्ज था। इस अवधि में कंपनी के नेट वर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेट वर्थ 15.06 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.98 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 अक्टूबर 2025 तक कंपनी का नेट वर्थ उछल कर 30.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिका और इजराइल के पॉजिटिव संकेतों से कच्चे तेल की धीमी पड़ी आंच, 110 डॉलर से नीचे आई कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका द्वारा एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर और हमला नहीं करने और टैंकर्स में पहले से लदे ईरानी तेल से बैन हटाने का संकेत देने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आज नरमी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के नीचे आ गया है। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 95 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के नीचे कारोबार कर रहा है। गुरुवार को 119 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच जाने के बाद आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 106.48 प्रति बैरल के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही ब्रेंट क्रूड फिसल कर 104.96 प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। हालांकि इस गिरावट के बाद इसके भाव में थोड़ा सुधार भी हुआ। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 106.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 93.69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही डब्ल्यूटीआई क्रूड टूट कर 92.47 डॉलर बैरल के स्तर तक गिर गया। हालांकि कुछ देर बाद ही इसकी चाल में थोड़ी तेजी भी आई, जिसके कारण भारतीय समय के अनुसार दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 93.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। स्पॉट ट्रेडिंग के अलावा फ्यूचर ट्रेडिंग में भी कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। ब्रेंट फ्यूचर्स फिलहाल 1.24 डॉलर प्रति बैरल यानी 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.41 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई फ्यूचर्स भी 1.26 डॉलर प्रति बैरल यानी 1.31 प्रतिशत फिसल कर 94.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया है। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच जिस तरह से अमेरिका और इजरायल की ओर से नरमी के संकेत मिल रहे हैं, उसकी वजह से कच्चे तेल के भाव में भी गिरावट का रुख बनने लगा है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को ईरान के साथ युद्ध के जल्दी खत्म होने का संकेत दिया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध में अमेरिकी सेना को जमीन पर नहीं उतरने का ऐलान किया।

भारत ने दुर्लभ मृदा चुंबक निर्माण इकाइयों के लिए वैश्विक बोलियां आमंत्रित कीं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारी उद्योग मंत्रालय ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक योजना के तहत सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के लिए एकीकृत विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए वैश्विक बोलियां आमंत्रित की हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक 6,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की कुल क्षमता वाली (एनडीएफईबी) आधारित आरईपीएम निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए लाभार्थियों का चयन करने के लिए 'प्रस्ताव के लिए अनुरोध' (आरएफपी) जारी किया है। निविदा प्रक्रिया को पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाली न्यूनतम लागत प्रणाली (एलसीएस) के तहत ऑनलाइन संचालित किया जाएगा, जिसमें सीपीपी पोर्टल के माध्यम से दो चरणों की प्रक्रिया शामिल होगी। निविदा दस्तावेज आज से ऑनलाइन उपलब्ध हैं। निविदा को जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई है, जबकि तकनीकी बोलियां 29 मई को खोली जाएंगी। मंत्रालय के मुताबिक इस निविदा प्रक्रिया के माध्यम से इच्छुक आवेदक देश में एकीकृत सिंटर्ड एनडीएफईबी आरईपीएम विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए अपनी बोलियां जमा कर सकते हैं। निविदा प्रक्रिया केंद्रीय सार्वजनिक खरीद (सीपीपी) पोर्टल के माध्यम से दो चरणों (तकनीकी बोली और वित्तीय बोली) वाली पारदर्शी न्यूनतम लागत प्रणाली (एलसीएस) के तहत ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 26 नवंबर, 2025 को 7,280 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईएम) के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना को अपनी मंजूरी दी थी।

स्टॉक मार्केट में इनोविजन की लिस्टिंग टली, अब 23 मार्च को हो सकती है एंट्री

एजेंसी, नई दिल्ली

टोल मैनेजमेंट और मैनपावर सर्विस देने वाली कंपनी इनोविजन के आईपीओ की लिस्टिंग एक बार फिर टल गई है। पहले इस पब्लिक इश्यू की लिस्टिंग लिस्टिंग की तारीख 17 मार्च तय की गई थी, लेकिन इश्यू को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिलने की वजह से लिस्टिंग को 20 मार्च तक के लिए टाल दिया गया था। अब एक बार फिर लिस्टिंग की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। अब इनोविजन के शेयर बीएसई और एनएसई पर 23 मार्च को लिस्ट हो सकते हैं।

इनोविजन का आईपीओ 10 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। पहले इसकी क्लोजिंग की तारीख 12 मार्च और लिस्टिंग की तारीख 17 मार्च तय की गई थी, लेकिन 12 मार्च तक काफी कम सब्सक्रिप्शन आने के कारण क्लोजिंग को बढ़ा कर 17 मार्च और लिस्टिंग की तारीख को बढ़ा कर 20 मार्च कर दिया गया। इसके साथ ही इनवेस्टर्स को आकर्षित करने के लिए कंपनी ने आईपीओ के प्राइस बैंड और इश्यू साइज में भी बदलाव किया। इस इश्यू के लिए पहले तय 521 रुपये से लेकर 548 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड को बदल कर 494 रुपये से लेकर 519 रुपये प्रति शेयर कर दिया गया। क्लोजिंग की तारीख बढ़ाने और इश्यू के प्राइस बैंड को कम करने के बाद भी इनवेस्टर्स की ओर से इस इश्यू को एवरेज रिस्पॉन्स ही मिल सका। 17 मार्च की क्लोजिंग तारीख तक यह आईपीओ 3.46 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इसमें भी रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन पूरी तरह से सब्सक्राइब नहीं हो सका। इस पोर्शन में सिर्फ साठ प्रतिशत ही सब्सक्रिप्शन आ सका। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61,51,295 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 255 करोड़ रुपये के 49,13,295 नए शेयर और 64 करोड़ रुपये के 12,38,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 8.88 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.27 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 29.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्वयंभू में निखिल के किरदार की ताकत है सुंदरावली: नाभा नतेश

भारतीय सिनेमा में इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है स्वयंभू... फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह एक बहादुर योद्धा ने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदली। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ एक्ट्रेस नाभा नतेश भी मुख्य किरदार में हैं। नाभा ने बताया कि उनका किरदार सुंदरावली निखिल के किरदार का बैकबोन है। नाभा नतेश ने कहा, मेरा किरदार सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है और वह उसी गांव में बड़ी हुई है, जहां निखिल का किरदार रहता है। सुंदरावली निखिल के किरदार को गहराई से समझती है और उसके हर उतार-चढ़ाव को जानती है। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार इस बात का प्रतीक है कि किसी की सफलता के पीछे हमेशा ऐसे लोग होते हैं, जो बिना दिखाए समर्थन करते हैं। सुंदरावली निखिल के किरदार के सबसे कठिन समय में उसके पास आती है और उसे विश्वास देती है कि वह फिर से उठकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। यही क्षण कहानी में महत्वपूर्ण मोड़ लाता है और हीरो अपनी मंजिल की ओर बढ़ता है।

फिल्म स्वयंभू को भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले प्रोडक्शन किया है और इसे

टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में पहले से ही उत्सुकता है।

निखिल सिद्धार्थ ने फिल्म के लिए वियतनाम में मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली। इतना ही नहीं, उन्होंने तलवारबाजी में इतनी महारत हासिल की कि वे दोनों हाथों से तलवार चला सकते हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी तलवारबाजी की ट्रेनिंग दी गई। वियतनाम के एक्सपर्ट्स को लाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को वास्तविकता के करीब दिखाया जा सके। इस फिल्म का क्लाइमेक्स हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में 60 दिनों तक शूट किया गया, जिसमें सैकड़ों कलाकार शामिल रहे।स्वयंभू 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म

'धुरंधर' में दर्शकों के लिए आगे और भी सरप्राइज: विक्रम भांबरी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रम भांबरी ने बताया कि धुरंधर फिल्म को लेकर दर्शकों का रिस्पॉन्स काफी शानदार रहा है। उनके मुताबिक दर्शकों ने अभी तक जो देखा है, वह सिर्फ शुरुआत है और कहानी में आगे कई दिलचस्प मोड़ आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे हर किरदार अपनी पूरी ताकत के साथ उभरकर सामने आएगा। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत के दौरान फिल्म से जुड़े अनुभव, दर्शकों की प्रतिक्रिया और बड़े कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। उनका मानना है कि यह फिल्म दर्शकों को हर लिहाज से एक नया और रोमांचक अनुभव देने वाली है। फिल्म में काम करने के मौके को लेकर विक्रम ने कहा कि यह उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। उन्होंने इसे भगवान की कृपा और अपने आसपास के लोगों के समर्थन का परिणाम बताया। अभिनेता के अनुसार 'धुरंधर' जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद सीख देने वाला अनुभव भी रहा। उन्होंने कहा कि जब किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करते हैं तो लोग सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि कलाकार के व्यवहार, अनुशासन और पेशेवर रवैये को भी करीब से देखते हैं। विक्रम ने आगे बताया कि फिल्म के सेट पर हर कलाकार को यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि निर्देशक किसी किरदार को किस नजरिए से देख रहे हैं। कई बार ऐसा होता था कि उन्हें लगता था कि किसी सीन को अलग तरीके से भी निभाया जा सकता है, लेकिन निर्देशक की सोच कुछ और होती थी। हालांकि उन्होंने कहा कि निर्देशक आदित्य धर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा। अभिनेता के अनुसार आदित्य धर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कलाकारों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का पूरा मौका देते हैं। अगर उन्हें लगता है कि कोई कलाकार किसी सीन में नया प्रयोग कर सकता है, तो वह उसे अलग तरीके से निभाने के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं।

हम सब सनातनी ही हैं, तो सत्य लिखने में क्या घबराहट है लिख दीजिए

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए सनातन के प्रति आस्था वाला हलफनामा देना होगा। अब इस नए नियम को लेकर लोकसभा सांसद कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सभी सनातनी हैं और इसे लिखकर देने में परेशानी क्या है। मंदिर समिति के बोर्ड की 10 मार्च को हुई बैठक में बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को कंगना रनौत ने कहा कि यहां जो भी हैं सभी सनातनी हैं। क्योंकि जब हमारा जन्म हुआ, सनातन मतलब जिसका न आदि है न अंत। सारे धर्म हजार पंद्रह सौ साल पुराने हैं। सनातन ही है, जो सत्य है। वह भी सनातनी ही हैं, तो सत्य लिखने में क्या घबराहट है लिख दीजिए। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष ने मंगलवार को कहा कि फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान या अन्य कोई गैर हिंदू अगर सनातन के प्रति अपनी आस्था के बारे में हलफनामा देता है तो उसे मंदिरों में दर्शन करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिनकी सनातन धर्म के प्रति आस्था होगी और जो लिखेगा कि मैं सनातनी हूं, मैं हिंदुत्व को मानता हूं, उन सबका स्वागत है। केदारनाथ फिल्म की अभिनेत्री के बारे में पूछे जाने पर मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सारा अली खान अगर कहेंगी कि उनकी सनातन के प्रति आस्था है, भाव है और वह हलफनामा देंगी तो उन्हें दर्शन करने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हलफनामे के लिए मंदिर समिति ने प्रारूप तैयार किया है। यह प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगले माह से शुरू हो रही चारधाम यात्रा की तैयारियां जोरों से जारी हैं और केवल 10 दिनों में 16 मार्च तक छह लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के लिए अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। बता दें सारा अली खान समय-समय पर केदारनाथ मंदिर आती रही है। वह बॉलीवुड फिल्म केदारनाथ में भी नजर आईं थीं, जिसमें मुख्य अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत थे।

ज्यादा पसीना आता है? इन 5 तरीकों से पसीना हो सकता है कम

अधिक पसीना आना एक आम समस्या है, जो कई लोगों को परेशान करती है। यह समस्या खासकर गर्मियों में अधिक होती है, लेकिन कुछ घरेलू उपायों से आप इसे कम कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनसे आप अपने शरीर के पसीने को नियंत्रित कर सकते हैं और अधिक आरामदायक महसूस कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप गर्मियों में भी तरोताजा महसूस करेंगे।

पानी का सेवन बढ़ाएं : अधिक पानी पीने से आपके शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और पसीना कम आता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। इसके अलावा आप नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी ले सकते हैं। इससे न केवल आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा, बल्कि आप तरोताजा भी रहेंगे। पसीना कम करने के लिए ठंडे पानी का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

हल्का और ढीला कपड़ा पहनें : गर्मियों में हल्के और ढीले कपड़े पहनना बहुत जरूरी है ताकि हवा आसानी से आपके शरीर तक पहुंच सके और पसीना जल्दी सूख सके। सूती या लिनन के कपड़े सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये त्वचा को सांस लेने देते हैं और पसीने को जल्दी सोख लेते हैं। इसके अलावा हल्के रंगों के कपड़े धूप को कम अवशोषित करते हैं, जिससे आप ठंडा महसूस करते हैं। इसलिए अपने कपड़ों में ऐसे कपड़ों को प्राथमिकता दें।

पसीने की बदबू रोकने वाला स्प्रे : पसीने की बदबू और उसके प्रभाव को कम करने के लिए एक अच्छा पसीने की बदबू रोकने वाला स्प्रे बहुत जरूरी है। रोजाना नहाने के बाद अपने हाथों और पैरों पर विशेष ध्यान देते हुए स्प्रे लगाएं, खासकर उन जगहों पर जहां पसीना अधिक आता है। इसके अलावा आप एंटी-परस्पिरेंट स्प्रे का भी उपयोग कर सकते हैं, जो पसीने को कम करने में मदद करते हैं।

नींबू का रस लगाएं : नींबू का रस प्राकृतिक रूप से शरीर के संतुलन को बनाए रखता है, जिससे बैक्टीरिया पनप नहीं पाते और बदबू नहीं आती। नहाने के बाद या सोने से पहले अपने हाथों और पैरों पर नींबू का रस लगाएं। इसे कुछ देर सूखने दें और फिर धो लें। यह उपाय आपकी त्वचा को ताजगी देगा और पसीने की बदबू को दूर रखेगा। नियमित उपयोग से आप इस समस्या से काफी हद तक राहत पा सकते हैं।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें : बेकिंग सोडा एक प्रभावी घरेलू उपाय है, जो त्वचा की नमी को सोखता है और बदबू को दूर करता है। अपने हाथों और पैरों पर थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा छिड़कें और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे धो लें। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और बदबू नहीं आएगी। इन सभी घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपने शरीर के पसीने को नियंत्रित कर सकते हैं और गर्मियों में तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

श्रीदेवी के जमीन विवाद में कोर्ट की कार्यवाही स्थगित

हाल ही में मद्रास हाई कोर्ट ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में अहम अंतरिम आदेश जारी किया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेंगलपट्टू सिविल कोर्ट में इस मामले से जुड़ी कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद चेंगलपट्टू कोर्ट में मामले की आगे की सुनवाई या कोई नया कदम नहीं उठाया जा सकेगा। हाई कोर्ट ने इस मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 26 मार्च की तारीख निर्धारित की है। जानकारी के अनुसार, श्रीदेवी ने वर्ष 1988 में चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड स्थित संबंदा मुदलियार परिवार से लगभग 4.77 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह संपत्ति पिछले करीब 37 वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में बताई जाती है। हाल ही में इस जमीन पर स्वामित्व को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया, जब नटराजन और शिवगामी नामक दो लोगों ने स्वयं को चंद्रशेखरन मुदलियार की दूसरी पत्नी की संतान बताते हुए इस संपत्ति पर अपना अधिकार जताया।

दावा करने वाले दोनों व्यक्तियों ने खुद को कानूनी वारिस बताते हुए संबंधित दस्तावेज हासिल किए और इसके आधार पर चेंगलपट्टू अतिरिक्त जिला न्यायालय में सिविल मुकदमा दायर कर जमीन में हिस्सेदारी की मांग की। इसके विरोध में श्रीदेवी के पति बोनी कपूर ने अपनी बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ मिलकर चेंगलपट्टू कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस मुकदमे को खारिज करने की मांग की थी। हालांकि चेंगलपट्टू कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम निर्णय तभी संभव होगा जब पूरे मामले की सुनवाई पूरी हो जाए। इस फैसले को चुनौती देते हुए बोनी कपूर और उनकी बेटियों ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। उन्होंने अदालत में दायर याचिका में आरोप लगाया कि संपत्ति पर दावा करने वाले लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कानूनी वारिस का प्रमाणपत्र हासिल किया है। याचिका में यह भी कहा गया कि संपत्ति के असली मालिक मायलापुर में रहते थे, जबकि दावेदारों ने वर्ष 2005 में तांबरम तहसीलदार कार्यालय से कथित रूप से गलत जानकारी देकर वारिस प्रमाणपत्र बनवा लिया।

साथ ही यह तर्क भी दिया गया कि चंद्रशेखरन मुदलियार की पहली पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी का दावा कानूनी रूप से मान्य नहीं है, इसलिए दूसरी पत्नी के बच्चों को वारिस का अधिकार नहीं मिल सकता। मामले की सुनवाई जस्टिस टी.वी. तमिलसेल्वी की पीठ ने की। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को 26 मार्च तक के लिए स्थगित करते हुए तब तक चेंगलपट्टू कोर्ट में चल रही सभी कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। मुंबई (ईएमएस)।

द केरल स्टोरी 2 फेम उल्का गुप्ता का स्मिता पाटिल से खास रिश्ता

द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड फेम एक्ट्रेस उल्का गुप्ता ने एक बातचीत में एक्ट्रेस स्मिता पाटिल से जुड़ा एक किस्सा साझा किया। उन्होंने उस वक्त को याद किया जब वो एयरपोर्ट पर स्मिता के पैरेंट्स से मिली थीं। एक्ट्रेस उल्का गुप्ता ने वरिंदर चावला की टीम से हुई बातचीत में 16 साल पुराना किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया, जब मैं 11-12 साल की थीं और टीवी शो झांसी की रानी के लिए शूट कर रही थीं तब एक बार एयरपोर्ट पर मेरी मां को किसी महिला ने रोका। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि मैं उनकी बेटी जैसी दिखती हूं। वो काफी देर तक मेरी मां से बात करती रहीं और बातों ही बातों में हमें पता चला कि वो दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल की मां थीं। उस दिन मैं यह जानकर बेहद खुश थी कि मैं स्मिता पाटिल जैसी दिखती हूं। उल्का ने आगे बताया, इसके बाद स्मिता के पैरेंट्स ने मुझे और मेरी को अपने घर पर बुलाया। उन्होंने हमें स्मिता पाटिल जी के स्मृति दिवस पर भी आमंत्रित किया था। यह मेरे जीवन का सबसे खास अनुभव था। उल्का गुप्ता ने पहली बार टीवी सीरियल झांसीकी रानी में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया। साल 2018 में वो रणवीर सिंह के साथ फिल्म सिम्बा में भी नजर आई थीं। हाल ही में उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड में काम किया।

अक्षय कुमार ने की 'मुंबई क्लीन लीग' शुरू करने की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने मायानगरी मुंबई को साफ और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू करने की घोषणा की है। अक्षय कुमार ने 'मुंबई क्लीन लीग' नामक एक विशेष अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस मुहिम से जोड़ना है।

अक्षय कुमार ने बताया कि इस लीग का विचार उन्हें खेल जगत की लोकप्रिय प्रतियोगिता इंडियन प्रीमियर लीग को देखकर आया। उन्होंने कहा कि इस लीग में खेल और मनोरंजन से जुड़े तत्वों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि लोग स्वच्छता के अभियान में उत्साह के साथ भाग लें। उनके अनुसार, यदि स्वच्छता को प्रतियोगिता और मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाए तो अधिक से अधिक लोग इसमें रुचि दिखाएंगे।

अक्षय कुमार ने बताया कि उन्होंने इस विचार को सबसे पहले अमित साटम के साथ साझा किया था। उन्होंने कहा कि मुंबई में अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग रहते हैं और हर कोई यहां बेहतर जीवन जीने का सपना लेकर आता है। हालांकि शहर में जगह की कमी है और जनसंख्या बहुत अधिक है, फिर भी यहां के लोगों में ऊर्जा और उत्साह की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और यहां रहने वाला हर व्यक्ति साफ-सुथरे और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीवन बिताना चाहता है। अभिनेता ने अपने स्कूल के दिनों का उदाहरण देते हुए इस लीग के विचार को समझाया।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में स्पोर्ट्स डे, एलोकेशन डे और मॉनिटर सिस्टम जैसी गतिविधियां होती थीं, जहां हर छात्र पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर आने की कोशिश करता था। उसी तरह 'मुंबई क्लीन लीग' में भी अलग-अलग इलाकों या समूहों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी, जिससे लोग अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने के लिए प्रेरित होंगे। अक्षय कुमार का मानना है कि यदि इस अभियान को सही तरीके से लागू किया गया, तो यह पूरे शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है।

वर्कआउट करते सोहा अली खान का वीडियो हुआ वायरल

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जिम से जुड़ा एक खास वीडियो साझा किया, जो काफी पसंद किया जा रहा है। वीडियो में सोहा अकेली नहीं हैं, बल्कि उनके साथ उनका प्यारा पालतू भी नजर आ रहा है। इस वीडियो में सोहा जिम में अलग-अलग तरह की एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। वहीं दूसरी ओर उनका पालतू कुत्ता पूरे जोश के साथ इधर-उधर दौड़ता और खेलता नजर आता है। वीडियो में सोहा अपने वर्कआउट पर ध्यान देती दिख रही हैं, जबकि उनका पालतू अपनी मस्ती में व्यस्त दिखाई देता है।

इस मजेदार और दिलचस्प पल ने वीडियो को और भी खास बना दिया है। वीडियो के साथ सोहा अली खान ने एक हल्का-फुल्का कैप्शन भी लिखा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा, "क्या आपका जिम पार्टनर भी अपना पूरा योगदान देता है? मेरा तो सिर्फ आराम वाले दिन बनाने में ही माहिर है।" उनके इस मजेदार कैप्शन ने भी प्रशंसकों का ध्यान खींचा और लोगों ने इस पर कई मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। सोहा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और उनके प्रशंसक कमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोग पपी को बेहद क्यूट बता रहे हैं, तो

कुछ लोग सोहा के फिटनेस और मस्ती से भरे अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। प्रशंसकों का कहना है कि यह वीडियो फिटनेस के साथ-साथ खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का भी संदेश देता है। सोहा अली खान अक्सर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी फिटनेस, लाइफस्टाइल और रोजमर्रा की गतिविधियों की झलक साझा करती रहती हैं। इसके अलावा वह अपने पॉडकास्ट के जरिए भी लोगों को प्रेरित करती हैं। हाल ही में वह फिल्म छोरी 2 में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने 'दासी मां' का नकारात्मक किरदार निभाया था। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नुसरत भरुचा दिखाई दी थीं। फिलहाल सोहा 'ऑल अबाउट हर' नाम का पॉडकास्ट होस्ट कर रही हैं। इस पॉडकास्ट में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाती है। बता दें कि अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह नियमित रूप से जिम में वर्कआउट करती हैं और संतुलित डाइट का पालन करती हैं।

Govt mulls new bridge over Yamuna Gandhi Nagar market redevelopment

New Delhi, Agency : Delhi govt is planning a set of infrastructure projects aimed at easing congestion and boosting development in the Trans-Yamuna region, with proposals likely to be placed and financial allocations sought in the budget session next week. At the centre of the plan is a bridge across the Yamuna intended to improve connectivity between east Delhi and central parts of the city. Officials said discussions are still at a preliminary stage, with Trans Yamuna Area Development Board asked to study the bridge's possible location and feasibility.

One option involves replacing the ageing Old Iron Bridge, known as Loha Pul, or constructing a new one near Signature Bridge. The study will cover the entire stretch from Wazirabad to Kalindi Kunj, focusing on traffic flow, congestion points and technical challenges.

Arvinder Singh Lovely, chairperson of the board, said that Loha Pul is outdated and a new bridge could help distribute traffic more evenly and strengthen links between northeast, north and central Delhi. Railway authorities constructing a parallel structure to Loha Pul and potentially diverting train traffic from it further opens up possibilities for the Pul's redevelopment or replacement.

The board also plans to build a four-kilometre-long elevated corridor along Trunk Drain 1 to declog the crucial Swami Dayanand Marg, which connects Anand Vihar to Shahdara and is one of east Delhi's most congested stretches, officials aware of the matter said on Thursday.

The elevated road is set to originate from near Shyamlal College and Bihari Colony, close to Shahdara flyover on GT Road, and end near Karkari Mor flyover. The project was recently reviewed during a site inspection by Public Works Department (PWD), irrigation and flood control minister Parvesh Verma, Lovely and local MLAs. These projects are set to be taken up along with PWD, one of the officials said.

Delhi govt is also reviving efforts to upgrade civic infrastructure in east Delhi's commercial hubs. The board is preparing a redevelopment plan for Gandhi Nagar Market, said to be Asia's largest wholesale garment market. A consultant has been appointed to conduct a survey and draw up a blueprint. Despite its economic importance, the market currently struggles with inadequate basic facilities like proper roads, drainage systems, sanitation and drinking water.

Haunted by cries, traders in area fear a fire repeat

New Delhi, Agency : The Sadhnagar market in southwest Delhi's Palam Village observed a day of mourning on Thursday by keeping the shutters down. Shopkeepers gathered in silence outside the charred remains of Pravesh Moderate Fashion.

The narrow lane, usually abuzz with customers, was lined with police barricades. Intermittently, it echoed with the cries of grieving relatives of the Kashyap family, nine of whose members perished in the blaze that gutted their shop and home on Wednesday.

The once thriving store stood with a shattered glass facade and broken lights amid a forest of snaking, dark wires. A portion of the adjacent building, too, had got scalded in the blaze. Its outer walls had blackened and a banner had partially torn after being burnt.

Shopkeepers stood huddled, consoling Rajender Kashyap, the two-time market association president and patriarch, whose losses were too large to count. The grief was also tinged with the lingering anxiety that a repeat can happen. Most buildings in the market are of mixed usage - residential and commercial - like the ones the Kashyaps built. The shops operate on the lower floor, and the owner's family lives upstairs.

Khushwan Singh Sodhi, who owns a garment shop nearby, pointed out the risks. His shop was stacked with garments, like the store that the Kashyaps ran. The fabrics, some said, had fuelled the fire.

New rail bridge alongside Loha Pul ready for train ops

New Delhi, Agency : Following a decade-long delay marked by missed deadlines and multiple challenges, the new rail bridge built alongside Delhi's historic Loha Pul is now ready for train operations.

A senior Northern Railway official said, "We recently conducted a trial run, and received clearance from the Commissioner of Railway Safety (CRS)." He added that the train operations have already begun in one direction - from Delhi towards the Delhi-Shahdara section - and services for trains coming into Delhi will commence soon. Officials said full operations on both sides are likely to begin soon, with only final technical formalities remaining. "Non-interlocking work is currently underway in some sections, which involves connecting the bridge to signalling systems. Once this is completed, the inauguration will follow," the official said. The inauguration is likely to take place later this month or early next month.

The CRS inspection was carried out, after which authorisation was granted for the cut-and-connection process to begin traffic movement.

The 865-metre-long bridge, built at a cost of Rs 227 crore, is expected to significantly ease rail traffic. Unlike the old Loha Pul, the new structure imposes no speed restrictions on electric multiple unit (EMU) trains. It has been constructed at a higher elevation over the Yamuna to ensure uninterrupted operations even during high floods.

Designed with modern steel girders and bolted connections, the bridge features a double rail line and has been built to a 25-tonne loading standard. It has undergone static load testing and "performed satisfactorily", officials said.

The existing Yamuna bridge, popularly known as Loha Pul, dates back to 1867 and has far exceeded its intended lifespan. It is a two-deck structure, with road traffic passing through the lower deck and trains operating on the upper deck. Due to its age, trains crossing the bridge are subject to a speed restriction of 30 kmph. The new bridge has been developed exclusively for train movement, while the old bridge will continue to be used for road traffic.

The new bridge's construction has been fraught with delays. The project was originally approved in 1997-98, with construction beginning in 2003. It was initially scheduled for completion by 2007, but faced hurdles. One of the challenges was its proximity to Salimgarh Fort, a protected monument. According to a senior railway official, the alignment of the bridge had to be altered as part of the construction required land within the fort premises.

'Don't be lax': Delhi high court asks cops to ensure peace on Eid in Uttam Nagar

New Delhi, Agency : Police must be "extra cautious" to ensure a conducive atmosphere for Eid so that the "situation doesn't take an ugly turn", the high court said Thursday while reviewing steps taken to secure Uttam Nagar, where a 26-year-old youth was killed in a clash on Holi.

"Whatever happens in Delhi has a ripple effect, please don't be lax," a bench of Chief Justice D K Upadhyaya and Justice Tejas Karia told the counsel for police, stressing that the bandobast in the area should be such that it instils a sense of safety and security in all. It directed the authorities to ensure no one plays any mischief that has the potential to create any "untoward situation" while making it clear that heavy police arrangements in the area shall continue till Ram Navami.

HC pointed out that Eid is meant for celebration, and it is the duty of all authorities to ensure that on such a "pious occasion", public life is not disrupted by any untoward incident of vandalism or hooliganism by any individual or any section of society. It was dealing with a PIL filed by a civil rights group, Association for Protection of Civil Rights, seeking court's intervention as it feared "imminent communal violence" on Eid in Uttam Nagar.

HC noted that the apprehensions in the petition arose from the incident of the death of a youth in the area on March 4, and, therefore, the police must be "extra cautious" and ensure that "all sections of society maintain restraint considering the past incident".

The court added that if, upon assessment of the situation, a need is felt to strengthen the arrangements, such measures shall be forthwith taken by the authorities.

"The situation as described in the petition not only calls upon authorities to be at constant strict vigil but it also calls upon members of different sections of society to maintain restraint and conduct themselves in a manner which may promote peace and harmony and not cause any situation which may turn ugly," the bench underlined.

Standing counsel for Delhi Police, Sanjay Lao, assured HC that adequate police personnel from Dwarka district, 400 additional armed force personnel from Delhi Police, and 400 central armed police forces have been deployed to ensure Eid passes without incident in the area.

Since March 5, adequate police arrangements have been made round-the-clock in Uttam Nagar JJ colony as well as the neighbouring areas, and several preventive actions have been taken, Lao told the court, adding that companies of armed police personnel are present in all 11 areas under police stations in Dwarka district and hundreds of police personnel are on vigil.m He further said that 50 inflammat-ory posts were taken down from social media platforms following monitori-ng of online platforms, and requests have been made to take down about 170 such posts to date.

Extensive verification has also been undertaken of over 8,000 persons in the area, "peace committees" have been formed at every police station, and 30 meetings have been held with the heads of religious places in the last two weeks, the police counsel further said. Additional solicitor general Chetan Sharma, appearing for the Centre, said the area is "saturated with security" and police have done commendable work.

Senior advocate Nitya Ramkrishnan, who appeared for the petitioner, submitted that on March 15, certain people openly called for violence against the members of the Muslim community in Uttam Nagar, but no action was taken for hate speech by police.

Delhi shocker: Gang shoots 30-year-old man dead, 3 injured including minor

New Delhi, Agency : Gunmen entered a grocery shop attached to a house in Bawana and fired around a dozen rounds, killing a 30-year-old man and wounding his 55-year-old father on Thursday. A passerby and an eight-year-old boy were also injured by stray bullets.

The deceased has been identified as Ravi. Police suspect he had links to the Gogi gang and was targeted by the rival Tillu Tajpuria gang.

His father Anil, and the passerby, 46-year-old Rajkumar, suffered gunshot wounds in their legs. The boy had a bullet-graze wound on the leg. Sources said the injured victims are out of danger.

A senior police officer said Ravi was arrested in an Arms Act case in 2022. Police had allegedly recovered four pistols from him. They are conducting raids in Delhi and Haryana to nab the shooters.

Both Tillu and Gogi gangs have been locked in a bloody feud for over a decade and over two dozen people have been killed in this rivalry. In 2021, Gogi gang's kingpin Jitender Gogi was shot dead in Rohini court. A year later, his rival Tillu Tajpuria, was killed in Tihar Jail. Last month, too, a man allegedly linked to the Gogi gang, Sahil Solanki, was shot in the head while walking near his house in Delhi.

Excessive heat starts second blaze in charred building

New Delhi, Agency : A second fire started on Wednesday night in the same building in southwest Delhi's Palam Village where nine people of a family died in a massive blaze that gutted their home and shop.

Police suspect the residual heat in the building could have been a reason for the flare-up, which was quickly brought under control.

The second fire has raised serious concerns about the potential for another hazard within the structure in a crowded and heavily populated area. Authorities remained on high alert to prevent more flare-ups. A senior police officer said that combustible materials on the premises, aided by strong winds, started the fire at night. "The residual heat in the building is likely to have caused the fire," he said.

The officer said the intensity of the first blaze also delayed inspection and investigation into what caused the fire on Wednesday morning in the shop that Rajender Kashyap and his family ran.

On Thursday, a forensic science laboratory (FSL) team went to the site to collect samples of burnt debris, particularly from the ground floor, which is suspected to be the point of origin of the blaze.

Preliminary findings suggest a possible short circuit near a switchboard. "The team has found indications of a short-circuit-like condition near a switchboard; however, the final report will provide clarity," an FSL official said.

Bitter pill: Delhi's MAMC junior doctors say forced to pay for seniors' meals, undergo 'murga' punishment

New Delhi, Agency: A long-standing "tradition" of junior resident doctors paying for meals and snacks of their seniors allegedly continues at Maulana Azad Medical College (MAMC), despite the administration having earlier issued directives to curb such practices, multiple residents have told Media.

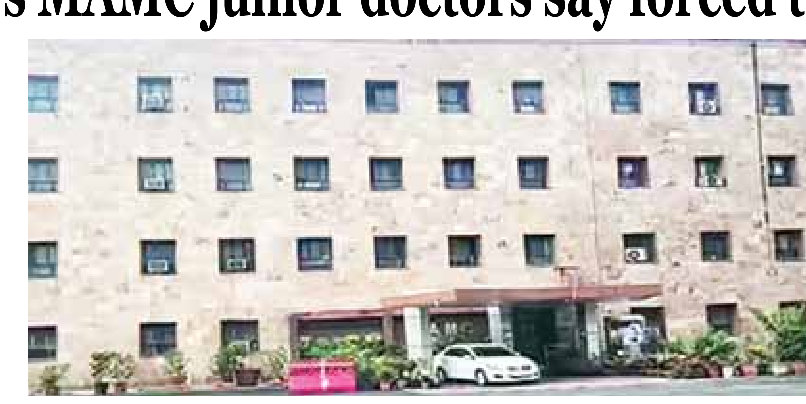

The issue came to light after a post on X flagged various coercive practices on campus and sought help against them. Media visited the college and spoke to several junior and senior residents, who said the practice has been continuing for years.

Students said first-year postgraduate residents are allegedly coerced into bearing food expenses of second- and third-year residents and senior residents during duty hours, often running into thousands each month, placing a financial burden on them.

"We rotate payments among ourselves to manage the cost. I come from a lower-income family and have to borrow money from friends to pay my share," a resident said. The practice does not stop at that, residents said.

"We are given 'murga' punishment, reprimanded in front of patients and humiliated for mistakes," a resident said, adding that those who refuse risk being boycotted in a system where juniors heavily depend on seniors for clinical learning, especially in fields like surgery. "You can't afford to be on the wrong side of them," the resident said.

"It's called personality development here - a form of bonding with seniors. We comply to avoid getting targeted or falling into their bad books," he said.

At MAMC, what would amount to ragging in plain terms is often passed off as "tradition", residents said. A junior resident, on condition of anonymity, described his experience: "They (the senior) called us inside the duty doctor's room and asked us to stand in anatomical position in a line. 'Aankhen third button se upar nahi uthani chahiye. Speak only when asked,' we were told."

Another resident alleged that juniors are sometimes asked to perform acts meant to amuse seniors during such sessions. He said such practices are often normalised, with some viewing them as part of assimilation while others feel pressured to comply.

"It has been reported that some residents are being compelled by their seniors to pay for their snacks/meals in the name of tradition in MAMC. You are requested to enquire into any such practice in your respective departments and take appropriate steps," a 2023 circular from the dean read, asking for a report to be submitted.

Media reached out to MAMC dean Munisha Agarwal, but there was no response. Despite the circular, the residents said the practices continue informally.

Some senior residents, however, defended the system. "It's a harmless tradition, humne bhi kiya hai. We paid when we were in first year. It's voluntary - they can refuse. Waise bhi, kya ye bachche mana karenge jab ye second year mein aayenge?" one said. "Some discipline is required. If they make mistakes, they will be reprimanded. Physical harm should not be there, bas," said another. The Resident Doctors' Association (RDA) president, Neeraj Azad Yadav, said, "We strongly condemn any form of harassment or intimidation and remain committed to ensuring a safe working environment for residents." He added that no incident of physical abuse has been formally or informally reported so far. RDA said such practices are not unique to MAMC and exist, in varying forms, across medical institutes, often normalised as part of senior-junior dynamics.